दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

एलर्जी की वजह से भी सर्दी में आती हैं छींके.....

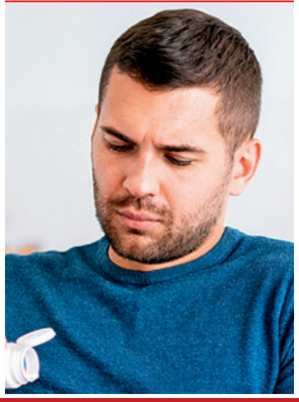

इन दवाओं से भी बढ़ सकता है वेट...

वर्ष : 10 | अंक : 13 | लखनऊ, 22 दिसम्बर, शुक्रवार 2023 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

मौसम

अधिकतम तापमान 22.c

न्यूनतम तापमान 9.c

बाजार

सोना 5510/ g

चांदी 73.50/ g

सेंसेक्स 69,825.60

निफ्टी 20,969.40

देखो, भारत में पारसी कितने खुश और अमीर हैं, मुसलमान के सवाल पर बोले पीएम मोदी

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक साक्षात्कार में देश में मुस्लिम अल्पसंख्यकों के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर कहा कि भारतीय समाज में किसी भी धार्मिक अल्पसंख्यक के प्रति भेदभाव की कोई भावना नहीं है। यूके स्थित फाइनेंशियल टाइम्स से धार्मिक अल्पसंख्यकों के बारे में बात करते हुए, मोदी ने भारत में पारसियों की आर्थिक सफलता पर प्रकाश डाला और कहा कि दुनिया में कहीं और उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद, उन्हें भारत में एक सुरक्षित आश्रय मिला है, वे खुशी से और समृद्ध होकर रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि भारतीय समाज में किसी भी धार्मिक अल्पसंख्यक के प्रति भेदभाव की कोई भावना नहीं है। प्रधानमंत्री ने पारसियों को भारत में रहने वाला धार्मिक सूक्ष्म-अल्पसंख्यक बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून को मारने की साजिश में एक भारतीय नागरिक की कथित भूमिका के अमेरिका के दावों पर अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार किसी भी सबूत पर देखेगी।

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध कुछ घटनाओं से पटरी से नहीं उतरेंगे। जब असहमति को दबाने के आरोपों के बारे में सवाल किया गया, तो पीएम मोदी ने हंसते हुए जवाब दिया और दावा किया कि आलोचक विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपने अधिकारों का प्रयोग करते हैं। उन्होंने तथ्यों के साथ आरोपों का प्रतिकार करने के अधिकार का भी बचाव किया।

कनाडा पीएम के बयान पर विदेश मंत्रालय का जवाब, विरोधियों पर तत्काल एक्शन लें

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा कि कनाडा के मुद्दे पर भारत की स्थिति सुसंगत है क्योंकि उसे उम्मीद है कि ओटावा उन चरमपंथी तत्वों पर कार्रवाई करेगा जो अपने देश में भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं। साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, बागची ने कहा कि भारत ने हमेशा इस बात पर प्रकाश डाला है कि मुख्य मुद्दा कनाडा में चरमपंथियों, आतंकवादियों और भारत विरोधी तत्वों को दी गई जगह है। पाकिस्तान सेना प्रमुख के अमेरिकी दौरे पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हां, हमने इस संबंध में कुछ रिपोर्टें देखी हैं। आतंकवाद और सीमा पार हमलों के लिए पाकिस्तान के समर्थन को लेकर हमारी चिंता जगजाहिर है। हमें उम्मीद है कि अन्य देश भी काउंटर-टेररिज्म को गंभीरता से लेंगे। न्याय विभाग के अभियोग पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी अदालत में एक व्यक्ति के खिलाफ कथित तौर पर एक भारतीय अधिकारी से जुड़ा मामला चिंता का विषय है और यह सरकारी नीति के विपरीत है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हम ऐसे सुरक्षा मामलों पर कोई और जानकारी साझा नहीं कर सकते।

उपराष्ट्रपति के प्रति विपक्षी सांसदों का व्यवहार अशोभनीय और अक्षम्य: योगी आदित्यनाथ

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के प्रति विपक्षी सांसदों के व्यवहार को असंसदीय, अशोभनीय और अक्षम्य आचरण करार दिया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, संसद परिसर में माननीय उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के प्रति विपक्ष का असंसदीय, अशोभनीय और अक्षम्य आचरण अलोकतांत्रिक है।

उन्होंने कहा, संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के प्रति अहंकार और नफरत से भरा यह कृत्य बेहद शर्मनाक है। मैं संसदीय गरिमा का अपमान करने वाले इस कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं। गौरतलब है कि मंगलवार को विपक्ष के कुछ सांसदों के निलंबन के खिलाफ संसद की सीढ़ियों पर विरोध प्रदर्शन के दौरान तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी ने धनखड़ की नकल की थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को इस कृत्य का वीडियो बनाते देखा गया था।

संक्षिप्त समाचार

मलिक को लेकर फडणवीस का पत्र मिलने के बाद शिंदे ने हस्तक्षेप किया: अजित पवार

मुंबई , महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने नवाब मलिक को लेकर अपने सहयोगी देवेन्द्र फडणवीस के खुले पत्र पर चुप्पी तोड़ते हुए बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मामले को शांत करने के लिए हस्तक्षेप किया है। फडणवीस ने इस महीने की शुरूआत में पवार को पत्र लिखकर कहा था कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्व मंत्री नवाब मलिक को पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गुट में शामिल करने का विरोध कर रही है। पवार ने सदन का सत्र समाप्त होने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान पत्र के बारे में पूछे जाने पर कहा, मुझे पत्र मिला। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हस्तक्षेप किया और मुझसे कहा कि किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने एक प्रसिद्ध फिल्मी गीत का जिक्र करते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, ये मेरा प्रेम पत्र पढ़कर, कोई नाराज न होना।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने राउरकेला में हैजे से निपटने के लिए केंद्र सरकार से मांगी मदद

नई दिल्ली, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के राउरकेला में हैजे के प्रकोप से निपटने के लिए केंद्र सरकार से मदद मांगी। राउरकेला में बीते एक सप्ताह में हैजे के 1,500 से अधिक मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान हैजे से शहर में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। प्रधान ने बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे पत्र में कहा, राउरकेला में हैजे का गंभीर प्रकोप और इससे लोगों की सेहत पर संभावित खतरा चिंताजनक है...। शिक्षा मंत्री ने कहा, राउरकेला और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए, मैं प्रकोप को नियंत्रण में लाने और इसपर कदम उठाने के लिए राउरकेला तथा ओडिशा के अन्य प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सहायता प्रदान करने में आपके व्यक्तिगत हस्तक्षेप की मांग करता हूं। अधिकारियों के अनुसार मरीजों को राउरकेला सरकारी अस्पताल (आरजीएच), इस्पात जनरल अस्पताल, सुंदरगढ़ के मेडिकल कॉलेज और शहर के अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इससे पहले दिन में ओडिशा की स्वास्थ्य सचिव शालिनी पंडित और आवास एवं शहरी विकास सचिव जी. मथिवथानन ने अस्पतालों का दौरा किया था। पंडित ने कहा कि अब मामलों में बढ़ोतरी नहीं हो रही है और स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा, इसे लेकर जागरुकता उपाय किए गए हैं।

भारत का कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष में एक अरब टन को पार कर जाएगा: प्रल्हाद जोशी

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कोयला एवं खान मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को विश्वास जताया कि चालू वित्त वर्ष में देश का कोयला उत्पादन एक अरब टन के आंकड़े को पार कर जाएगा। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए देश का जीवाश्म ईंधन का उत्पादन लक्ष्य 101.21 करोड़ टन है।

वाणिज्यिक कोयला खदान की नीलामी के नौवें दौर के शुभारंभ के दौरान मंत्री ने कहा, इस साल हम एक अरब टन उत्पादन स्तर को पार करने जा रहे हैं। चालू वित्त वर्ष में कोयले की अनुमानित मांग 119.66 करोड़ टन है।

मंत्री ने कहा कि वर्ष 2030 तक बिजली की मांग दोगुनी होने वाली है और इस जरूरत को पूरा करने के लिए देश को कोयले की जरूरत है। नौवें दौर की नीलामी पूरी होने के साथ ही 100 कोयला ब्लॉकों की बिक्री पूरी हो जायेगी। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के नौवें दौर में कुल 31 कोयला खदानों की पेशकश की जा रही है। ये खदानें कोयला, लिग्नाइट वाले राज्यों झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में हैं।

अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन के लिए शीर्ष विपक्षी नेताओं को दिया गया निमंत्रण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शीर्ष विपक्षी नेताओं को आमंत्रित किया गया है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार के अनुसार, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने उद्घाटन के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी और जद (एस) सुप्रीमो देवेगौड़ा को निमंत्रण भेजा है।

नवनिर्मित राम मंदिर समारोह में नहीं आएंगे विपक्ष के नेता?

हालांकि, समाचार एजेंसी के मुताबिक, कांग्रेस नेताओं के शामिल होने की संभावना नहीं है। नवनिर्मित मंदिर के गर्भगृह में राम लला की नई मूर्ति के अभिषेक के लिए कई गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले दिनों में अन्य विपक्षी नेताओं को और निमंत्रण भेजे जाने की संभावना है।

समारोह की तैयारी

समारोह की तैयारी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल होंगे, जोरों पर है और 15 जनवरी तक समाप्त होने की उम्मीद है। प्राण प्रतिष्ठा पूजा 16 जनवरी को शुरू होने वाली है और 22 जनवरी को समाप्त होगी। यहां राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के लिए सप्ताह भर चलने वाले उत्सव की शुरूआत को चिह्नित करने के लिए 17 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की 100 मूर्तियों के साथ भगवान राम के जीवन के दृश्यों को प्रदर्शित करने वाली झांकियों का एक जुलूस निकाला जाएगा। झांकी तैयार करने में लगे मुख्य मूर्तिकार रंजीत मंडल ने कहा, जुलूस में भगवान राम के जन्म से लेकर वनवास, लंका पर विजय और उनकी अयोध्या वापसी तक के जीवन को दशार्ने वाली मूर्तियां और तस्वीरें होंगी। यह जुलूस प्रतिष्ठा समारोह के लिए सप्ताह भर चलने वाले उत्सव की औपचारिक शुरूआत का प्रतीक होगा। 15 जनवरी तक पुनर्विकसित अयोध्या रेलवे स्टेशन को तैयार करने का भी प्रयास किया जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि नए स्टेशन भवन का एक हिस्सा, जिसमें भगवान राम से संबंधित प्रतिष्ठानों और कलाकृतियों से परिपूर्ण उन्नत तीर्थ-धारण क्षेत्र भी शामिल है, भारी भीड़ को संभालने के लिए तैयार हो जाएगा। उद्घाटन के लिए और उसके बाद भी शहर में आने की उम्मीद है।

मिजोरम में खदान धंसने से 3 की मौत

मणिपुर हिंसा में मारे गए 87 लोगों का 7 महीने बाद हुआ अंतिम संस्कार

अमन लेखनी समाचार

मणिपुर में जातीय हिंसा के शिकार हुए कुकी जो समुदाय के 87 पीड़ितों के शव बुधवार को चुराचांदपुर में दफनाए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मणिपुर सरकार ने नए सिरे से हिंसा के बाद चुराचांदपुर जिले में दो महीने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा आदेश लागू किया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गयी है। मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा ने बुधवार को 55,000 सरकारी कर्मचारियों के लिए दिसंबर का वेतन जल्द जारी करने और महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा, राज्य के 55,000 सरकारी कर्मचारियों की हमारी टीम को क्रिसमस की बधाई

अरुणाचल प्रदेश

अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिला मुख्यालय पासीघाट में बुधवार को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई। जिले के दो महाविद्यालयों के खिलाफ एक संगठन के अनिश्चितकालीन लॉकडाउन के आह्वान के बाद यह कदम उठाया गया। संगठन आदि बाने केबांग यूथ विंग (एबीकेवाईडब्ल्यू) ने बुधवार से अपनी उस मांग पर जोर देने के लिए यह आह्वान किया कि कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री (सीएचएफ) और कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर (सीओए) में अधिकांश नियुक्तियां राज्य के अनुसूचित जनजाति समुदाय से की जाएं। कॉलेज परिसरों में कानून-व्यवस्था की समस्या और अशांति की आशंका के मद्देनजर जिलाधिकारी ताई तग्गू ने बुधवार को पूरे पासीघाट शहर में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने और हथियार ले जाने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश के तिरप जिले के एक गांव मेंएक संदिग्ध उग्रवादी ने पूर्व विधायक की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना पूर्वाह्न करीब तीन बजे राहो गांव के पास हुई, जो म्यांमा सीमा के करीब है। तिरप के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राहुल गुप्ता ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व विधायक यमसेन माटे अपने तीन समर्थकों के साथ किसी निजी काम से गांव गए थे, तभी कोई उन्हें किसी बहाने जंगल की ओर ले गया और गोली मार दी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

विकसित भारत संकल्प यात्रा संपूर्ण विकास के लिए प्रधानमंत्री के संकल्प का प्रतीक है: मनोज सिन्हा

अमन लेखनी समाचार

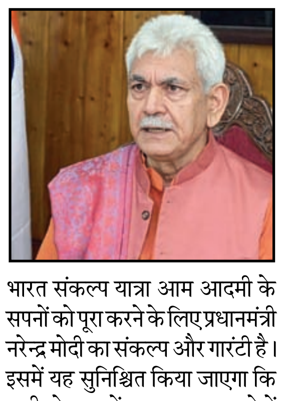

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा आम आदमी के सपनों को पूरा करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प का प्रतीक है। उधमपुर जिले में बुधवार को इस यात्रा में शामिल हुए सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को उनकी भागीदारी के लिए बधाई दी। इस यात्रा का उद्देश्य अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं का प्रचार करना है। उपराज्यपाल ने कहा, विकसित भारत संकल्प यात्रा आम आदमी के सपनों को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प और गारंटी है। इसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंचे तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में समग्र, समावेशी विकास लाया जाए।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत और विकसित जम्मू कश्मीर के लिए गरीबों, महिलाओं, किसानों और समाज के वंचित वर्गों का सशक्तीकरण आवश्यक है। उपराज्यपाल ने निर्वाचित प्रतिनिधियों और नेताओं से यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, प्रत्येक बालिका अच्छी शिक्षा की हकदार है और यह पंचायतों का सर्वोपरि लक्ष्य होना चाहिए। प्रशासन का मिशन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए हर पंचायत में प्राथमिक विद्यालय सुनिश्चित करना है।

सरकार ने चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सर्दी-रोधी दवाओं को किया बैन

DCGI सभी राज्यों के दवा नियामकों को लिखा पत्र

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, भारत ने 4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सर्दी-रोधी दवा संयोजन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के दवा नियामक ने चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सर्दी-रोधी दवा संयोजन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है और कहा है कि दवाओं को तदनुसार लेबल किया जाना चाहिए। यह कदम कफ सिरप से विश्व स्तर पर कम से कम 141 बच्चों की मौत के मद्देनजर उठाया गया है। नियामक निकाय ने शिशुओं के लिए एक अस्वीकृत सर्दी-रोधी दवा फॉर्मूलेशन के प्रचार के संबंध में चिंताओं को संबोधित किया, जिससे उस आयु वर्ग के लिए संयोजन का उपयोग करने के खिलाफ चर्चा हुई और बाद में सिफारिश की गई।

यह निर्देश 2019 के बाद से भारत में घरेलू स्तर पर उत्पादित विषाक्त कफ सिरप से जुड़ी बच्चों की मौतों की एक श्रृंखला के बाद आया है। इन घटनाओं, जिनमें पिछले साल के मध्य से गाम्बिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून में कम से कम 141 मौतें शामिल हैं, ने भारत से फार्मास्युटिकल निर्यात की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसे जीवन के प्रावधान के कारण अक्सर ₹दुनिया की फार्मेसी₹ कहा जाता है।

नियामक ने 18 दिसंबर को एक आदेश जारी किया, जिसका सार्वजनिक रूप से बुधवार को खुलासा किया गया, जिसमें दवा निमार्ताओं को अपने उत्पादों पर चेतावनी के साथ लेबल लगाना अनिवार्य है कि फिक्स्ड-ड्रग कॉम्बिनेशन (एफडीसी) का उपयोग 4 साल से कम उम्र के बच्चों में नहीं किया जाना चाहिए।₹ इस एफडीसी में क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलफ्राइन शामिल हैं, जो आमतौर पर सामान्य सर्दी के लक्षणों को संबोधित करने के लिए सिरप या टैबलेट में उपयोग किया जाता है। विशेष रूप से, विश्व स्वास्थ्य संगठन पांच साल से कम उम्र के बच्चों में खांसी और सर्दी के लक्षणों के इलाज के लिए ओवर-द-काउंटर खांसी सिरप या दवाओं के उपयोग की अनुशंसा नहीं करता है। जून से, भारत ने कफ सिरप निर्यात के लिए अनिवार्य परीक्षण लागू किया है और दवा निमार्ताओं की जांच तेज कर दी है। इन उपायों के बावजूद, जिन कंपनियों की कफ सिरप बच्चों की मौत से जुड़ी थीं, उन्होंने लगातार किसी भी गलत काम से इनकार किया है।

जांच एजेंसी ईडी के समन पर बोले अरविंद केजरीवाल

कहा- यह सबकुछ अवैध और राजनीति से प्रेरित

अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित करार दिया और कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख ने कहा, "मैं हर कानूनी सम्मन स्वीकार करने के लिए तैयार हूं। हालाँकि, ईडी का यह समन भी पिछले समन की तरह अवैध और राजनीति से प्रेरित है। आप सुप्रीमो ने कहा समन वापस लिया जाना चाहिए। मैंने अपना जीवन ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ बिताया है।' मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को प्रवर्तन निदेशालय ने अब समाप्त हो चुकी उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। उन्हें आज 21 दिसंबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अरविंद केजरीवाल को यह दूसरा समन था।

पिछले महीने, वित्तीय निगरानी संस्था ने अरविंद केजरीवाल को 2 नवंबर को उसके सामने पेश होने के लिए कहा था। हालांकि, आम आदमी पार्टी प्रमुख ने यह आरोप लगाते हुए सम्मन को नजरअंदाज कर दिया था कि यह अवैध और राजनीति से प्रेरित है। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को समन कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में पूछताछ और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज करने से संबंधित है। इसी मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों ने अरविंद केजरीवाल की पार्टी के दो नेताओं मनीष सिसौदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार किया था। इस साल अप्रैल में कथित शराब घोटाले के सिलसिले में सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल से भी पूछताछ की थी।

उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 के बारे में

यह नीति एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर बनाई गई थी और 17 नवंबर, 2021 से दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा लागू की गई थी। नई नीति के तहत, 849 शराब की दुकानें खुली बोली के माध्यम से निजी कंपनियों को दी गईं। शहर को 32 क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, जिनमें से प्रत्येक में अधिकतम 27 दुकानें थीं। व्यक्तिगत लाइसेंस के बजाय जोन-दर-जोन बोली लगाई गई। नई नीति ने शहर सरकार को शराब व्यवसाय से बाहर कर दिया और इसे सरकारी राजस्व बढ़ाने, बेहतर ग्राहक अनुभव और शराब माफिया के प्रभाव और कालाबाजारी को समाप्त करने के लिए लागू किया गया। हालाँकि, इस नीति का नागरिक समाज, धार्मिक समूहों, शैक्षणिक संस्थानों, माता-पिता निकायों और विपक्ष द्वारा समान रूप से विरोध किया गया था। इसे कोविड महामारी की घातक डेल्टा लहर के बीच में लाया गया था। लेकिन, दिल्ली सरकार को पिछले साल जुलाई में नई उत्पाद शुल्क व्यवस्था को वापस लेने और पुरानी शराब नीति पर वापस लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह आरोप लगने के बाद जल्द ही एक विवाद खड़ा हो गया कि केजरीवाल सरकार की आबकारी नीति 2021-22 का इस्तेमाल निविदाएं दिए जाने के काफी बाद शराब लाइसेंसधारियों को अनुचित वित्तीय लाभ पहुंचाने के लिए किया गया था, और इस तरह पूर्व-चेकर को भारी नुकसान हुआ।

सरकारी जमीन कब्जा रहे दबंगो ने युवक से मारपीट की कोशिश

मोहनलालगंज। जबरौली निवासी सूरज तिवारी ने पुलिस को तहरीर देते हुये बताया बताया बीते बुधवार को अपने गांव में ग्राम समाज की जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे का वीडियो व फोटो बनाने गये थे तभी उक्त सरकारी जमीन पर कब्जा कर रहे दबंगो शिवशंकर गौड़ व अशुमान ने फोटो व वीडियों बनाने से रोकते हुये गाली-गालौज करते हुये उस पर कुल्हाड़ी व धारदार हथियारो से हमला करने की कोशिश करते हुये जान से मारने की धमकी भी दी।अतिरिक्त इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया पीड़ित की तहरीर पर दो आरोपियों के विरूद्व मारपीट के प्रयास,जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

जलशक्ति मंत्री ने ग्रामीणों से जल जीवन मिशन का जाना हाल

सरोजनीनगर के ग्रामवासियों से जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

बंथरा। सरोजनीनगर विधानसभा के विकास खंड गुदौली एवं सादुल्लानगर के ग्रामों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं का निरीक्षण करने पहुँचे जलशक्ति मंत्री ।जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल और हर घर को स्वच्छ जल देने के सपने को साकार करने के लिए क्षेत्र के विभिन्न ग्राम पंचायतों में बनाई जा रही पानी की टंकियों का गुरूवार को जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह स्थलीय निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। यहां उन्होंने हर-घर जल पहुंचाने के लिए बन रही पानी की टंकी का निरीक्षण किया और टंकी को लेकर अधिकारियों से जमीनी हकीकत जानी। मंत्री ने योजना को लेकर ग्रामीणों से भी बातचीत की जिसपर कुछ ग्रामीणों ने उनसे घरो मे पानी न आने की शिकायत भी कर दी तो मंत्री ने मौके पर मौजूद जल निगम के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए उन्हें शीघ्रता के साथ कमियों को दूर करते हुए उनके घरों में यथाशीघ्र आपूर्ति शुरू करने को कहा। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मौजूदा ग्रामीणों से जल संरक्षण का भी आव्हान किया मंत्री ने कहा की अक्सर ही ऐसा देखने को मिल जाता है कि लोग जरूरत से ज्यादा पानी का इस्तेमाल करते हैं। हमें अनावश्यक रूप से जल दोहन से बचना चाहिए इसके लिए हर किसी को अपनी जिम्मेदारी तय करनी होगी। उन्होंने ग्रामीणों को केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी और कहा कि भाजपा की सरकारें पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपना काम कर रही हैं। सरकार द्वारा अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का काम किया जा रहा है। मंत्री के साथ मौजूद विधायक डॉ राजेश्वर सिंह ने भी लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में बताया और कहा कि क्षेत्र मे लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं, कोई भी कोना विकास कार्यों से छूटा नहीं रहेगा। इसी के साथ गोंदौली गांव में 10 लाख की लागत से पक्की सड़क सोलर लाइट और पांच हैंड पंप लगवाने की घोषणा भी की गई। इस मौके पर कई लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी सौंपे गए। कार्यक्रम में इस दौरान खंड विकास अधिकारी नीति श्रीवास्तव, सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) शिवकुमार वर्मा, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) कौशल कुमार, सहायक विकास अधिकारी (कृषि) बीरेंद्र कुमार वर्मा के साथ अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारियों कर्मचारी के अलावा भाजपा नेता शिव शंकर सिंह चौहान, पूर्व वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष कुंवर राजेंद्र सिंह चौहान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष शिवबक्स सिंह, सुरेश सिंह, गंगाराम भारती, आशु शुक्ला, सुभाष पासी, भारतीय किसान मंच के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार तिवारी रिंकू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बेखौफ चोरों ने रात में दो घरों को निशाना बनाकर गहने और हजारों रुपए की नगदी किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनी नगर लखनऊ। बिजनौर इलाके में बेखौफ चोरों ने बुधवार रात दो घरों को निशाना बनाकर एक किसान के घर से लाखों रुपए के गहने और हजारों रुपए की नगदी के अलावा कीमती कपड़े व सामान उठा ले गए। जानकारी होने के बाद पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना कर तहरीर ले ली और चोरों का सुराग लगा रही है। बिजनौर के चंद्रावल निवासी देशराज और हंसराज आपस में दोनों भाई हैं। दोनों के मकान अगल-बगल हैं। बुधवार रात दोनों अपने मकानो में परिवार सहित सो रहे थे। किसान हंसराज का परिवार मकान के अगले हिस्से में सो रहा था। देर रात हंसराज की बहू अपने बच्चों को पेशाब करने उठी तो आहट पाकर मकान के पिछले हिस्से में बने कमरे से अचानक तीन-चार चोर जीने के रास्ते भागे और छत से कूद कर निकल गए। बाद में जब कमरे में देखा गया तो वहां से करीब 2 लाख रुपये कीमत के गहने, 40 हजार रुपये की नगदी और कीमती कपड़े व घरेलू सामान गायब मिला। कुछ देर बाद पता चला कि देशराज के घर में भी चोरों ने पिछली दीवार में नकब लगाई। लेकिन वहां उन्हें कुछ नहीं मिला। इसके बाद वह जीने के रास्ते छत पर गए और वहां से हंसराज की छत से होते हुए जीने से उतरकर हंसराज के घर में यह घटना अंजाम दी। वहीं घटना अंजाम देकर भाग रहे चोरों को देखकर घर के लोगों ने शोर मचाया, लेकिन चोर भाग निकले। बाद में घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद तहरीर ले ली है और चोरों का सुराग लगा रही है।

मुख्यमंत्री ने श्री हनुमानगढ़ी एवं श्रीरामलला का दर्शन-पूजन किया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज जनपद अयोध्या में आगामी 30 दिसम्बर, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत संतगणों से चर्चा की। उन्होंने शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में प्राण-प्रतिष्ठा से बहुप्रतीक्षित आयोजन से पूर्व आगामी 30 दिसम्बर, 2023 को प्रधानमंत्री का अयोध्या आगमन होना है। प्रधानमंत्री का यह भ्रमण अयोध्या को हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उपहार देने वाला होगा। यह आयोजन अति महत्वपूर्ण है, इसके दृष्टिगत भारत सरकार के सहयोग से स्थानीय प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां कर ली जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या को त्रेतायुगीन वैभव के अनुरूप सजाया जाए। पूरी अयोध्या राममय हो। स्थानीय मठ-मन्दिरों को सजाया जाए। भव्य तोरण द्वार बनाए जाएं। स्थान-स्थान पर भगवान श्रीराम से सम्बन्धित भजन बजाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ एवं धर्म पथ तथा अयोध्या एयरपोर्ट से बाईपास से नयाघाट जोड़ने वाले मार्ग से सम्बन्धित कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूरा कराया जाए। उनके फुटपाथ, श्रद्धालुओं के चलने के लिए हो तथा मुख्य कैरेज-वे पर वाहन चलें। इन मार्गों पर जहां पर पर्याप्त चैड़ाई है, उन स्थानों पर बैठने की व्यवस्था व अन्य जन सुविधाएं विकसित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत हेतु अयोध्यावासी भी उत्सुक हैं। ऐसे में स्थानीय प्रशासन द्वारा उनका भी यथोचित सहयोग लिया जाए। कार्यक्रम के आयोजन में साधु-संतगणों का मार्गदर्शन लिया जाए। पुष्प वर्षा कर प्रधानमंत्री का अभिनन्दन किया जाना चाहिए। स्वस्तिवाचन कर प्रधानमंत्री का अभिनन्दन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाई-वे से नयाघाट की तरफ आ रहे धर्मपथ की भी सजावट प्रधानमंत्री के आगमन के दृष्टिगत आकर्षक होनी चाहिए। एयरपोर्ट से नयाघाट के मार्ग को उसी प्रकार आकर्षक फूलों से सजाया जाए, जिस प्रकार सुल्तानपुर रोड से एयरपोर्ट फोरलेन मार्ग को सजाया गया है।

एयरपोर्ट के निर्माणाधीन टर्मिनल -3 पर ट्रक ने करीब एक दर्जन से अधिक बाइकें की क्षतिग्रस्त

अमन लेखनी समाचार

सरोजनी नगर लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के निमार्णाधीन टर्मिनल -3 के पास गुरुवार को ओवर ब्रिज की ढलान पर खड़े ट्रक के अचानक चल देने से इसकी चपेट में आकर करीब एक दर्जन से अधिक बाइकें क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना से वहां पर अफरा तफरी मच गई। बाद में घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस मामले की जाँच पड़ताल कर रही है। बताते चलें कि राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर काफी दिनों से टर्मिनल- 3 का निर्माण कार्य काफी तेजी से चल रहा है। इसके विस्तारीकरण का कार्य एनसीसी कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। जिसमें हजारों की संख्या में मजदूर कार्य कर रहे हैं। वहीं टर्मिनल -3 को जोड़ने के लिए फ्लाई ओवर भी लगभग बनकर तैयार हो चुका है। इसी फ्लाईओवर पर ज्यादातर मजदूर अपने दो पहिया वाहनों को पार्क करते हैं। गुरुवार अपराह्न करीब 3:30 बजे इस ओवर ब्रिज की ढलान पर डामर युक्त गिट्टी लदा खड़ा ट्रक अचानक चल पड़ा। हालाकि ट्रक में उसका चालक नहीं था। लेकिन ढलान की वजह से ट्रक अपने आप चल पड़ा और करीब एक दर्जन से अधिक खड़ी मोटरसाइकिलों को कुचलता हुआ आगे बढ़ गया। दोपहिया वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण वह ट्रक के टायर में फंस गई। जिससे ट्रक वहीं पर रुक गया। लेकिन अचानक हुई इस घटना से वहाँ अफरा तफरी मच गई और इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मौजूद लोगों का कहना है कि लापरवाही पूर्वक ट्रक को ढलान पर खड़ा किए जाने से बड़ा हादसा हो सकता था। क्योंकि इसी ओवर ब्रिज के रास्ते एनसीसी कंपनी का स्टाफ और मजदूर आते जाते रहते हैं। अगर वहां पर कोई मजदूर होता या उधर से गुजर रहा होता या फिर बाईकों में फंसकर ट्रक ना रूकता तो वह सीधे नीचे चला आता और इससे बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल इस घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर गायब हो गया। सरोजनीनगर इंस्पेक्टर शैलेन्द्र गिरी का कहना है कि ट्रक चालक की बड़ी लापरवाही है। उनका कहना है कि जांच पड़ताल के दौरान पता चला कि ट्रक में उसका चालक नहीं था और ट्रक अचानक कैसे चल पड़ा? इसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

तेज रफ्तार कार ने सरकारी कार में मारी टक्कर,एडीसीपी घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ ।पीजीआई क्षेत्र के कल्ली पश्चिम में बने डीसीपी दक्षिणी कार्यालय से गुरूवार की शाम एडीसीपी शंशाक सिंह अपनी सरकारी कार से क्षेत्र के भ्रमण पर निकले थे,वृदावंन इलाके में डिफेंस एक्सपो मैदान के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने एडीसीपी के सरकारी कार मे साइड से जोरदार टक्कर मार दी ।दुर्घटना में सरकारी कार की पिछली सीट पर बैठे एडीसीपी शंशाक सिंह घायल हो गयें ।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पीजीआई पुलिस कार को कब्जे में लेने के साथ ही उसमें सवार लोगो को हिरासत में ले लिया ।वही घायल एडीसीपी शंशाक सिंह को इलाज के लिये एपेक्स ट्रामा सेंटर लेकर गयें ।जहां प्राथमिक उपचार के बाद एडीसीपी को छुट्टी दे दी गयी ।पीजीआई इंस्पेक्टर ने बताया एडीसीपी के सरकारी वाहन के चालक की तहरीर पर दुर्घटना करने वाली कार समेत चालक के विरूद्व मुकदमा दर्ज किया गया हैं।

बेखौफ चोरों ने पूर्व विधायक के खेत में लगे सोलर पैनल उड़ाये

मोहनलालगंज। बिन्दौवा गांव निवासी राम सुमिरन ने बताया वह पूर्व सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर के कार्यालय व खेतों की देखरेख करता है। गुरुवार को चालक कमल किशोर द्वारा उसे फोन से सूचना मिली कि खेत में लगे सोलर पैनल अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। सूचना पर जब वह खेत पहुंचा तो वहां लगे चार सोलर पैनल गायब देखा तो उसके होश उड़ गये ।पुलिस कंट्रोल रूम 112 पर सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर लौट गई। पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस से पूरे मामले की लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग किया। राम सुमिरन के मुताबिक पहले भी पूर्व विधायक के खेत में लगे सोलर पैनल चोरी हो चुके हैं। जिसका मुकदमा अज्ञात चोरों के विरूद्ध दर्ज हुआ था। अतिरिक्त इंस्पेक्टर मोहनलालगंज रामबाबू सिंह ने बताया पीड़ित ने शिकायत की है, जांच कर कार्यवाही की जायेगी।

ईट लदी ट्रैक्टर-ट्राली ने बाइक में मारी टक्कर

लखनऊ ।निगोहां के कुशमौरा गांव निवासी माधव प्रसाद ने बताया वो मोहनलालगंज तहसील में सग्रंह सेवक के पद पर तैनात है,गुरूवार की सुबह अपनी बाइक से घर से ड्यूटी पर जा रहा था तभी गांव के बाहर आगे जा रहे ईट लदे ट्रैक्टर-ट्राली जिसमें तेज आवाज से साउंड बज रहा था उसके चालक ने बाइक में टक्कर दी,जब उसने चालक से विरोध जताया तो उसने पिटाई करते हुये ट्रैक्टर-ट्राली लेकर पास के एक ईट भट्ठे मे जा घुसा ।जिसके बाद डायल-112 पर पुलिस समेत परिजनो को सूचना दी ।जिसके बाद मौके पर पहुंचे परिजन घायल तहसीलकर्मी माधव प्रसाद को इलाज के लिये लेकर गये,जहां इलाज जारी है ।तहसीलकर्मी के सिर में चोट आने के साथ ही उगंलिया फ्रैक्कर हो गयी हैं ।थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया पीड़ित के तहरीर देने पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी।

प्रेस और पत्र-पत्रिका पंजीकरण विधेयक लोकसभा में पारित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। एक ऐतिहासिक निर्णय के तहत लोकसभा ने आज प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के औपनिवेशिक युग के कानून को निरस्त करते हुए प्रेस एवं पत्र-पत्रिका पंजीकरण विधेयक, 2023 पारित कर दिया। यह विधेयक पहले ही मानसून सत्र में राज्यसभा में पारित हो चुका है।

प्रेस एवं पत्र-पत्रिका पंजीकरण विधेयक, 2023 के नए कानून में किसी भी कार्यालय में गए बिना ही ऑनलाइन प्रणाली के जरिए पत्र-पत्रिकाओं के शीर्षक आवंटन और पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल एवं समकालिक बना दिया गया है। इससे प्रेस रजिस्ट्रार जनरल को इस प्रक्रिया को काफी तेज करने में मदद मिलेगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रकाशकों, विशेषकर छोटे और मध्यम प्रकाशकों को अपना प्रकाशन शुरू करने में किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रकाशकों को अब जिला मजिस्ट्रेटों या स्थानीय अधिकारियों के पास संबंधित घोषणा को प्रस्तुत करने और इस तरह की घोषणाओं को प्रमाणित कराने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा, प्रिंटिंग प्रेसों को भी इस तरह की कोई घोषणा प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी; इसके बजाय केवल एक सूचना ही पर्याप्त होगी। वर्तमान में इस पूरी प्रक्रिया में 8 चरण शामिल थे और इसमें काफी समय लगता था।

लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा, यह विधेयक, गुलामी की मानसिकता को खत्म करने एवं नए भारत के लिए नए कानून लाने की दिशा में मोदी सरकार के एक और कदम को प्रतिबिंबित करता है। मंत्री महोदय ने आगे कहा कि नए कानूनों के माध्यम से अपराध को समाप्त करना तथा व्यवसाय करने में आसानी व जीवन यापन में आसानी में सुधार करना सरकार की प्राथमिकता रही है और तदनुसार, औपनिवेशिक युग के कानून को काफी हद तक अपराधमुक्त करने के प्रयास किए गए हैं। कुछ उल्लंघनों के लिए पहले की तरह अपराध सिद्ध करने के बजाय वित्तीय दंड का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा, भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक विश्वसनीय अपीलीय व्यवस्था का प्रावधान किया गया है। व्यवसाय करने में आसानी के पहलू पर जोर देते हुए, श्री ठाकुर ने कहा कि स्वामित्व पंजीकरण प्रक्रिया, जिसमें कभी-कभी 2-3 साल लग जाते थे, अब 60 दिनों में पूरी की जाएगी।

1867 का कानून ब्रिटिश राज की विरासत थी, जिसका उद्देश्य प्रेस एवं समाचार पत्रों और पुस्तकों के मुद्रकों और प्रकाशकों पर पूर्ण नियंत्रण रखना था, साथ ही विभिन्न उल्लंघनों के लिए कारावास सहित भारी जुमार्ना और दंड भी देना था। यह महसूस किया गया कि आज के स्वतंत्र प्रेस युग और मीडिया की स्वतंत्रता को बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता में, यह पुराना कानून वर्तमान मीडिया के परिदृश्य से पूरी तरह से मेल नहीं खाता है।

ठंड बढ़ते ही चोर हुए सक्रिय, खड़े वाहनों से तीन बैटरी व दो पहिया खोलकर फरार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। सर्दियों का मौसम शुरू होते ही क्षेत्र में में चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय हो गया है। यह गिरोह अंधेरा जल्दी होने और ठंड में लोगों के जल्दी घरों में अंदर चले जाने के कारण गुरुवार देर रात शातिर चोरों ने युवा भाजपा नेता रिक्की गुप्ता के माल रोड पर स्थित पेट्रोल पंप के सामने बने सागर लॉन से सटे महिंद्र यार्ड से वहां पर मौजूद वाहनों की तीन बैटरियां व एक वाहन के दो पहिया खोलकर फरार हो गए। सुबह आसपास के लोगों को चोरी की जानकारी हुई तो तत्काल इसकी सूचना फोन के माध्यम से इस समय दिल्ली में मौजूद यार्ड मलिक रिक्की गुप्ता को दी।

रिक्की गुप्ता ने फोन पर पुलिस को सूचना अवगत कराई सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

एक सप्ताह में अलग अलग स्थानों पर चौथी चोरी

तहसील क्षेत्र में बीते 14 दिसंबर से शुरू हुआ ताबड़ तोड़ चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नही ले रहा है। इस दिन शातिर चोरों ने गोपेश्वर गौशाला को निशाना बनाते हुए परिसर में खड़ी मारुति 800 और सोलर स्ट्रीट लाइट की तीन बैट्री पार करके पुलिस को चुनौती दी थी।

ठीक 4 दिन बाद 19 दिसंबर को रहीमाबाद के तिलक खेड़ा निवासी किसान अब्दुल अली के घर को निशाना बनाते हुए नकदी सहित लगभग डेढ़ लाख के जेवरात पार कर दिए थे। फिर अगले ही दिन 20 दिसंबर को ग्राम पंचायत गोस्वा मजरे चंदीखेड़ा में गांव के किनारे बने हनुमान मंदिर से पीतल के 5 वजनी घंटे चुरा कर एक बार फिर से पुलिस को चुनौती दे डाली है।

लोगों की मांग है कि क्षेत्र में दिन प्रतिदिन बढ़ते चोरियों को देखते हुए पुलिस प्रशासन को रात के समय गस्त बढ़ानी चाहिए। सर्दियों का मौसम होने की वजह से अंधेरा जल्दी हो जाता है, जिस कारण से बाजार भी जल्द बंद हो जाते और ठंड के कारण लोग घरों में दुबक जाते हैं। इसी का फायदा उठाकर चोर सक्रिय हो रहे हैं।

अनियंत्रित पिकप डाला खड़े ट्रक में पीछे से घुसी,चालक की मौत

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। कानपुर नगर के गोविंदनगर इलाके में प्रेम लाल यादव(44 वर्ष)निवासी बिलौरी जनपद अयोध्या अपने परिवार संग किराये पर रहते थे,वो पिकप डाला चलाकर अपने परिवार के लिये दो जून की रोटी का इन्तजाम करते थे ।पत्नी रामदुलारी ने बताया पति प्रेम लाल बुद्ववार को दो बेटो शिवम व दीपक व बेटी आराधना को साथ लेकर पिकप डाला से माल लोड कर लखनऊ के लिये निकले थे। देर रात मोहनलालगंज-बनी मार्ग पर भसड़ा मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार पिकप डाला से चालक प्रेम लाल अपना नियंत्रित खो बैठे ओर पिकप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी ।दुर्घटना के बाद पिकप डाले का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया,जिसमें चालक प्रेमलाल व उसके तीनो बच्चे फंस गये ।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकप डाले के क्षतिग्रस्त हिस्से में फंसे घायल चालक समेत उसके तीनो बच्चो को बाहर निकलवाकर इलाज के लिये सीएचसी भेजा ।जहां मौजूद डाक्टर ने चालक प्रेमलाल को मृत घोषित कर दिया ओर गम्भीर रूप से घायल बेटे शिवम व बेटी आराधना को इलाज के लिये एपेक्स ट्रामा सेंटर भेजा ।डाक्टर ने मृतक के घायल बेटे दीपक को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी ।अतिरिक्त इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह ने बताया मृतक चालक के परिजनो को सूचना देने के साथ ही शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया था ।मृतक चालक के परिजनो के तहरीर देने पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी। दुर्घटनाग्रस्त दोनो वाहनो को कब्जे में ले लिया गया हैं।

निगोहां थाना प्रभारी ने सर्राफा व्यापारियों के साथ की बैठक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ ।निगोहां थाने में गुरूवार को सराफा व्यापारियों की बैठक आयोजित की गयी ।बैठक में थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने कहा कि पुलिस व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर वचनबद्ध है ।थाना प्रभारी ने व्यापारियों से कहा सुरक्षा की दृष्टि से अपनी दुकानों के अंदर तथा बाहर सीसीटीवी कैमरे जरूर लगाये। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को दुकान के आसपास देखने पर तुरंत पुलिस को सूचना देने या अपने पड़ोसी से मदद मांगने,शाम को दुकान से घर लौटने के समय में लगातार परिवर्तन करने को कहा। साथ ही दुकान बंद करते समय विशेष सतर्कता बरतने आदि सुझाव दिए। इस दौरान व्यापारियों ने थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी से कस्बे की बाजार में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की। इस पर थाना प्रभारी ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि मुख्य बाजार में पुलिस पिकेट तैनात की जाएगी साथ ही व्यापारी भी सुरक्षा को लेकर अपने प्रतिष्ठान पर गार्ड तैनात कर सकते हैं ।जिस कारोबारी को भी अपने कैश या ज्वेलरी को लाने ले जाने के संबंध में सुरक्षा की आवश्यकता हो तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। अगर कोई भी व्यापारी कैश जमा करने के लिए बैंक जाता है तो वह पुलिस की सुरक्षा ले सकता है ।इस मौके पर सराफा व्यापारी राकेश तिवारी, रामकृष्ण सोनी, रामू त्रिपाठी, फूलचन्द्र सोनी, नीरज सोनी समेत काफी संख्या में व्यापारी मौजूद रहें।

श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष बने जीतेन्द्र सिंह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। श्री राजपूत करणी सेना ने गुरुवार को प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया। पीजीआई के सरस्वतीपुरम स्थित सेना के प्रदेश कार्यालय पर गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह दीपू ने प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर जीतेन्द्र सिंह और संगठन मंत्री के पद पर विकास सिंह को नामित किया। इस मौके पर भोला सिंह, राकेश सिंह, नामवर सिंह, सुनील, आशु पांडे सहित श्री राजपूत करणी सेना के सदस्य मौजूद रहे।

हॉस्पिटल में अग्निशमन टीम द्वारा अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था की की गई जांच

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। पुलिस महानिदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवा के आदेश पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में गुरुवार को सरोजनीनगर के अमौसी स्थित टीएस मिश्रा हॉस्पिटल में अग्निशमन टीम द्वारा अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई। इस दौरान यहां पर आग जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल भी किया गया। सरोजनीनगर अग्निशमन अधिकारी सुमित सिंह जादौन के नेतृत्व में हुए इस कार्य के दौरान अग्निशमन टीम ने अस्पताल में आग जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए लगाए गए अग्निशमन उपकरण चेक किए गए। साथ ही ऐसी स्थिति से निपटने के लिए यहां की अग्निशमन सुरक्षा व्यवस्था भी बारीकी से चेक की गई। इस दौरान एवाक्वेशन मॉक ड्रिल भी की गई। इस मॉक ड्रिल में वार्ड के अंदर आग लगना दशार्या गया। जहां अग्निकांड की सूचना पाकर आनन-फानन पहुंची सरोजनीनगर फायर स्टेशन की टीम ने वार्ड के मरीजों को वहां से हटवाया। साथ ही वार्ड के अंदर मौजूद सभी बेड बाहर निकाल दिए गए। मॉक ड्रिल समापन के बाद सरोजनीनगर अग्निशमन अधिकारी सुमित सिंह जादौन ने अस्पताल के स्टाफ को आग जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के बारे में बारीकी से जानकारी भी दी। इसके अलावा उन्होंने अस्पताल में कई अन्य जगहों पर भी अग्निशमन उपकरण लगवाने की सलाह दी।

संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का मिला शव

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के गांव मनिकापुर निवासी 36 वर्षीय जितेन्द्र सिंह बुधवार को शाम को किसी कार्य से बरुआघाट गया था।घर वापस न आने पर घर वालों द्वारा तलाश करने पर रात में जितेन्द्र गाँव के निकट तालाब के किनारे बेहोश पड़ा मिला परिजन उसे बांगरमऊ सीएचसी ले गए जहां पर मौजूद। डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था।प्रभारी निरीक्षक राजेश पाठक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

वन विभाग की भूमि पर दबंग ने पेड़ काटवा बोदी गेंहू की फसल

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र खपरा मुस्लिम गांव के बाहर वन विभाग की तीन बीघे जमीन पर खड़े 10 हजार बबूल के हरे पौधो को गांव के ही लल्लू ने बुधवार देर शाम ट्रैक्टर से जोत कर रबी की फसल बो दी गांव के चौकीदार रामलाल ने वन विभाग को सूचना दी , मौके पर वन विभाग रेंजर राजवीर सहित दरोगा श्री कांत त्रिवेदी ने मौके पर पहुंच कर ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर सीज की कार्रवाई की, साथ ही खेत को बो रहे लल्लू पुत्र धनीराम पर सरकारी जबरन पर अवैध तरीके से कब्जा करने सहित बाबूल पौधो को नष्ट करने की धाराओ में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। वन विभाग रेंजर राजवीर सिंह ने बताया कि किसान लल्लू पर रिपोर्ट दर्ज के साथ साथ ट्रैक्टर को भी सीज किया गया है।

महिला ने नाबालिक पुत्री को भगा ले जाने का दर्ज कराया मुकदमा

बीघापुर, उन्नाव। नाबालिक लड़की के भाग जाने को लेकर मां ने थाने में नाम जद तहरीर दिया तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिर्पोट दर्ज कर लिया हैबिहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासिनी मां के द्वारा थाने में तहरीर दिया कि मेरी नाबालिक पुत्री निराला इंटर कॉलेज भगवंत नगर में पढ़ती है जो दिनांक 12दिसंबर को बिना बताए गायब हो गई जब शाम तक घर वापस नहीं आई उसके बाद सभी जगह पता लगाया तब पता चला कि ग्राम बदन खेड़ा पोस्ट मनिकापुर निवासी विजय कुमार कोरी पुत्र शीतल प्रसाद द्वारा मेरी पुत्री को बहला फुसलाकर कहीं लिवा ले गया है मां के द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

अनियंत्रित बाइक से गिरकर बाबा की मौत, पोता घायल

सफीपुर, उन्नाव।बाइक के अनियंत्रित होने से बाइक सवार बाबा पोता गंभीर रूप से घायल हो गए .दोनो घायलों को एंबुलेंस से नजदीकी सी एच सी पहुंचाया गया जहां बाबा मुन्ना को चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया.कोतवाली क्षेत्र के पीखी गांव निवासी मुन्ना 65 पुत्र मसूक अली अपने 22 वर्षीय पोते खुर्शीद पुत्र फारुख अली के साथ बांगरमऊ थाना क्षेत्र के खेवरई गांव किसी काम से गए थे वहां से दोनो लोग बुलेट से वापस अपने गांव आ रहे थे तभी गुरधरी और डकौली गांव के समीप बुलेट अनियंत्रित होकर गिर गई जिसमे बुलेट सवार बाबा पोता गंभीर रूप से घायल हो गए .स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजन एंबुलेंस से सी एच सी लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने मुन्ना को मृत घोषित कर दिया और घायल खुर्शीद का उपचार कर उसे घर भेज दिया गया।

अनियंत्रित बस पेड़ से टकराई एक की मौत, दर्जनों घायल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अंतर्गत उमरखेड के पास उन्नाव से बांगरमऊ को जा रही है प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्ती की बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।बस में सवार करीब 30 सवारियों में चीख पुकार मच गई।

एक्सीडेंट की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मशक्कत कर घायलों को बस से बाहर निकाला और उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा है।जहां एक युवक की मौत हो गयी। बताया जा रहा है करीब अठारह से अधिक लोग हादसे में घायल हुए हैं। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। सुबह उन्नाव शहर से एक प्राइवेट मिनी बस सवारियां भरने के बाद बांगरमऊ के लिए रवाना हुई।बस अभी फतेहपुर 84 थाना क्षेत्र के उमरखेड हाफिजाबाद के पास पहुंची ही थी कि अधिक स्पीड होने के चलते अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जा पहुंची और सामने पेड़ से सीधे टकरा गई।टक्कर इतनी जबरदस्ती की बस का अगला हिस्सा बीच से फट गया। एक्सीडेंट होते ही बस में सवार सवारी में चीख पुकार मच गई। मार्ग से गुजर रहे लोगों ने हादसे की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को दी। सूचना पर फतेहपुर चौरासी थाना प्रभारी राजेश पाठक, बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी ज्ञानेंद्र सिंह मय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मशक्कत कर बस में फंसी सवारियों को किसी तरह बाहर निकाला।बस में करीब 32 यात्री सवार थे, जिसमें वीरेंद्र पुत्र राम लाल, अभय सिंह, अहमद आलम, रोशन, मो रफी, अखिलेश, अंजली चौरसिया, अमर सिंह, प्रेम प्रकाश, जावेद, सतीश, रफीक, मुन्नू, दिनेश कुमार, रमेश कुमार, प्रयांशु, अखिलेश, संजय गंभीर रूप से घायल हो गए। इन्हें एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए फतेहपुर 84 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जिसमें दो की हालत गंभीर होने पर लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। कुछ को बेहतर उपचार के लिए डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया है।उपचार के दौरान ही बस में सवार रहे प्रेम प्रकाश की मौत हो गई। हादसे की सूचना के बाद अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह, एसडीएम बांगरमऊ शुभम यादव भी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच पड़ताल की है। पुलिस ने क्रेन की मदद से वाहनों किनारे कराया है और यातायात सुचारू से शुरू कराया है।

माँ ने बच्चो समेत खाया जहर , माँ की हुई मौत, बच्चो की हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। थाना बिहार क्षेत्र के भदेवरा गाँव मे एक महिला ने अपने तीन बच्चो को जहर देकर खुद जहर खा लिया। माँ की जिला अस्तपताल में मौत हो गयी जबकि बच्चो को हैलेट कानपुर रिफर कर दिया गया है।भदेवरा गाँव निवासिनी केकती पत्नी जगमोहन उम्र 33 वर्ष ने गुरुवार शुबह करीब 10 बजे घर मे रखी गेंहू की बखारी में रखी कीटनाशक दवा अपने बच्चो को खिलाने के बाद स्वयं खा ली।केकती ने पहले अपनी बड़ी लड़की महक उम्र लगभग 10 वर्ष को कीटनाशक दवा खिलाई इसके उपरांत लड़के आर्यन उम्र लगभग 08 वर्ष व छोटी लड़की मानवी उम्र 4 वर्ष को कीटनाशक दवा खिलाकर स्वयं दवा खा ली।हालात बिगड़ने पर उन सभी को सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहाँ से जिला अस्तपताल रिफर कर दिया गया। पड़ोसियों के अनुसार केकती का मायका बारासगवर थाने के अन्तर्गत अलीपुर में है। वह काफी दिनों से मानसिक बीमार चल रही थी। उसका इलाज कानपुर के किसी अस्तपताल से चल रहा है। उसका पति जगमोहन गुरुवार को भी रोज की तरह गाँव मे बन रहे मकान में मजदूरी करने गया था। बहन के द्वारा स्वयं व बच्चो को जहर देने की बात जैसे ही परिवार में पता चली कोहराम मच गया। माँ व बच्चो को सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया वहा से जिला अस्तपताल ले जाया गया जहाँ माँ की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी शिवप्रकाश पांडेय के साथ राजस्व टीम नयाब तहसीलदार अशोक शुक्ला, तहसीलदार अरशला नाज, के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

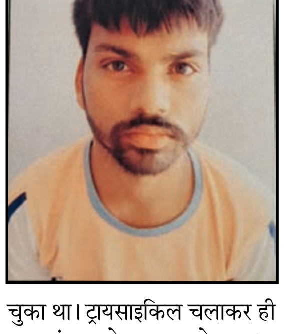

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बिहार के अंतगर्त एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। घर वालो ने बिना पुलिस को बताए अंतिम संस्कार कर दिया।

मामला थाना बिहार के अन्तर्गत लोनियनखेड़ा का है जहाँ के निवासी अनिल 22 वर्ष पुत्र रामकिशोर बुधवार की शाम से लापता हो गया था। गुरुवार सुबह उनका शव पास के ही गाँव मवइया के पास झाड़ियों में मिला। गाँव वालों के अनुसार म्रतक शराब का आदी था। सम्भवता अत्यधिक शराब के कारण ही उसकी मौत हो गयी। म्रतक लुधियाना में करीब 1 साल पूर्व मजदूरी करता था वहां से लौटते समय ट्रेन दुर्घटना में अपने दोनों पैर गवाँ चुका था। ट्रायसाइकिल चलाकर ही वह स्वंम अपने काम कर लेता था।

अनिल की मौत का समाचार सुनकर घर मे कोहराम मच गया लेकिन परिवार वालो ने बिना पुलिस को सूचना दिए ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

तुलसी का पौधा व आमंत्रण पत्र देकर तुलसी पूजन दिवस विशाल यात्रा के लिए किया आमजनमानस को किया आमंत्रित

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। नरसेवा नारायण सेवा व हिन्दू जागरण मंच द्वारा गत वर्षो की भाँति इस वर्ष आगामी 25 दिसंबर को प्रस्तावित तुलसी पूजन दिवस - विशाल यात्रा के लिए नगर के मुख्य मार्ग गांधी नगर से आवास विकास कालोनी तक यात्रा के संस्थापक विमल द्विवेदी के नेतृत्व में पदाधिकारियों द्वारा महा जनसम्पर्क अभियान चलाकर व्यापारियों वा आमजनमानस सहित स्कूली बच्चो में तुलसी का पौधा व आमंत्रण पत्र देकर तुलसी पूजन दिवस - विशाल यात्रा के लिए आमंत्रित किया

नरसेवा - नारायण सेवा व तुलसी पूजन दिवस विशाल यात्रा के संस्थापक विमल द्विवेदी ने आमजनमानस व अभिभावको से आग्रह किया की क्रिसमस पर स्कूलों में होने वाले उत्सवों का बहिष्कार करे व उस दिन अपने बच्चो को स्कूल न भेजे व 25 दिसंबर को अपने बच्चो व परिवार के सदस्यों के साथ 25 दिसंबर को निकलने वाली तुलसी पूजन दिवस विशाल यात्रा में दोपहर 12 बजे रामलीला मैदान में पहुँच कर यात्रा को भव्यता व दिव्यता प्रदान कर गमले सहित तुलसी का पौधा निःशुल्क प्राप्त करे वा अपने अपने घरो में भी तुलसी पूजन करे

इस अवसर पर हिन्दू जागरण मंच के जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, महामंत्री विष्णु गुप्ता, आचार्य कमलेश बाजपेई ,योगेंद्र तिवारी, विकास सिंह सेंगर, एडवोकेट राघवेंद्र पांडेय ,मनीष अवस्थी ,अभिषेक तिवारी, धर्मेंद्र शुक्ल ,शुभम, शिवम् आजाद शैलेन्द्र त्रिवेदी ,नीरज कुमार ,अजय द्विवेदी सहित आधा सैकड़ा पदाधिकारियो द्वारा जनसम्पर्क कर यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का किया आग्रह

तेज रफ्तार डंफर ने ई रिक्शा में मारी टक्कर महिला की मौत आधा दर्जन से अधिक घायल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। बैटरी रिक्शा से मजार पर दर्शन करने जा श्रद्धालुओं के ई-रिक्शा में सामने से आ रहे हैं डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे दो छोटे बच्चों दो छोटे बच्चों सहित नौ अन्य लोग घायल हो गए हैं जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर कर दिया वहीं सूचना पर तहसीलदार और सी ओ तथा एडिशनल एसपी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना थाना मौरावां क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम मोहनखेड़ा मजरे सगौली निवासी संतू पुत्र जगदेव 65 ने कोतवाली क्षेत्र में लगे निहाल बाबा के मेला में मौरावां में ग्राम असरीखेड़ा के धीरेंद्र का ई रिक्शा बुक कराकर परिवारीजनों संग दर्शन करने जा रहे थे।और स्वयं संतू अपने बेटे अनूप 27 के साथ ई रिक्शा के पीछे पीछे मोटर साईकिल से जा रहे थे।जहां पुरवा-अचलगंज मार्ग पर स्थित ग्राम गदोरवा के निकट पहुंचते ही सामने से आ रहे डम्फर ने ई- रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी।जिससे ई रिक्शा सवार रामकली 55 पत्नी संतू , गुड़िया 35 पत्नी दिनेश, पूनम 40 पत्नी रामगुलाम, खुशी 14 पुत्री राम गुलाम, खुशबू 10 पुत्री राम गुलाम, प्रांशू 10 पुत्र रामगुलाम, दीपांशु 7 पुत्र राम गुलाम, मानसी 3 पुत्री दिनेश व दिव्यांशी 1 पुत्री दिनेश, कांती 25 पत्नी उमेश व ई रिक्शा चालक धीरेंद्र 35 आदि घायल हो गये। ग्रामीणों की सूचना बाद मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घायलों को ईलाज हेतु एम्बुलेंस से स्थानीय सीएचसी पहुंचाया।जहां घायलों का ईलाज जारी है।जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार बाद हालत गम्भीर होने पर सभी घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जहा पर इलाज के दौरान गुड़िया पत्नी दिनेश की मौत हो गई।

जनपद की 20 ग्राम पंचायतों में पंहुचा मोदी की गारंटी का रथ

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव।जब सभी से उम्मीद खत्म हो जाती है, तब 'मोदी की गारंटी' शुरू होती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार एक परिवार के सदस्य की तरह हर किसी की समस्याओं को कम करने की कोशिश कर रही है इसी क्रम में विकसित भारत संकल्प यात्रा जिले प्रत्येक ग्राम पंचायत में पंहुचने वाली है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से प्रधानमत्री ने 2047 देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है जिले में लगातार मोदी की गारंटी वाली गाड़ी ग्राम पंचायतों में पंहुच रही है जिले के मियांगंज विकास खण्ड के लगलेसरा और हिम्मतखेड़ा, हिलौली विकास खण्ड के सगौली और तिसंधा, सिकंदरपुर कर्ण विकास खण्ड के रावतपुर और सिंगहा, सिकंदरपुर सरोसी विकास खण्ड के चिलौला और थाना हसनगंज विकास खण्ड के नारायणपुर और नवई पुरवा विकास खण्ड के लखमदेमऊ और कसरौर सुमेरपुर विकास खण्ड के हमीरपुर और अकठी सफीपुर विकास खण्ड के मुंडा और मीरनगर औरास विकास खण्ड के बिसवल और तहरूताल्ही गंजमुरादाबाद विकास खण्ड के जाफराबाद और दारापुर ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्टाल लगाकर योजनाओं की जानकारी उपलब्ध करवाई गई।

इन कार्यक्रमों जिलाध्यक्ष अवधेश कटियार भाजपा विधायक बृजेश रावत, श्रीकांत कटियार सहित भाजपा पदाधिकारियों, ब्लॉक प्रमुखों, नगर पंचायतों अध्यक्षों ने अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में पहुंचकर यात्रा के रथ में बंधे फीते को काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों को बताया तथा सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की विकसित भारत की शपथ दिलवाई साथ ही पीएम सम्मान किसान निधि, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत गैस चूल्हे वितरित किए व नौनिहाल बच्चों का अन्नप्रासन किया करवाया।

युवा कल्याण विभाग एवम प्रांतीय रक्षक दल द्वारा किया गया खेलकूद का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। मिनी स्टेडियम मैनी भावा खेड़ा में युवा कल्याण विभाग एवम प्रांतीय रक्षक दल के द्वारा ग्रामीण खेल लीग उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत विकास खंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन विकास खंड औरास के ग्रामीण स्टेडियम मैनीभावा औरास में किया गया ।जिसमे मुख्य अतिथि मोहान विधायक ब्रजेश कुमार रावत रहेवही प्रतिभागियों ने विभिन्न खेल स्पर्धा में अपने अपने हुनर का प्रयोग कियावही मोहान विधायक ब्रजेश कुमार रावत के द्वारा विजय श्री पाए प्रतिभागियों को मेडल देकर हौसला आफजाई कियावही इस मौके पर नगर पंचायत औरास के अध्यक्ष

राकेश कुमार, सीमऊ प्रधान प्रतिनिधि इंद्र पाल यादव, आरिफ अली जिला पंचायत सदस्य पूर्व प्रत्याशी के अलावा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी सचिन सिंह के अलावा अन्य क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

यूपीडा द्वारा बनाई गई सर्विस रोड हुई पूरी तरह ध्वस्त

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे के निर्माण कर्ता यूपीडा द्वारा एक्सप्रेसवे के किनारे सर्विस रोड का निर्माण भी कराया था जिसमें क्षेत्रीय व आसपास के गांवो का आवागमन सुचारू रूप से चलता रहे और क्षेत्रीय लोगों को आने-जाने में कोई समस्या ना हो लेकिन यूपीडा की लापरवाही से औरास से लखनऊ जाने वाले मार्ग पर मैनी भावा खेड़ा पुल के दोनो तरफ यूपीआईडी द्वारा बनाई गई सर्विस रोड पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है जानकारी के बावजूद भी यूपीडा जानकर अनजान बना हुआ हैं।

आपको बताते चले कि लखनऊ सर्विस रोड से लगभग 32 किलोमीटर की दूरी तय कर राजधानी जाते रहते हैं। लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे के निर्माण के बाद में सर्विस रोड का निर्माण हुआ था। जिससे कि लोगों को सुगम व सरल यातायात की व्यवस्था हो सके लेकिन लगभग पिछले छह माह से मैनी भावा खेड़ा के दोनो तरफ सर्विस रोड पूरी तरह ध्वस्त हो गई है वही क्षेत्रीय लोगों में विपिन गौतम मोनू सभासद,रोहित कुमार कनौजिया,पवन कुमार शर्मा,आरिफ अली,सतीश त्रिपाठी, आदि लोगों ने जिलाधिकारी उन्नाव को जरिए फोन अवगत कराया की नेहरा बाबा मंदिर के पास अज्ञात लोगों के द्वारा सर्विस रोड पर बहुत बड़ा गड्ढा खोद दिया गया है जिससे कि आने जाने वाले लोग उस गड्ढे में गिरकर चुटहिल होते रहते हैं वही जिलाधिकारी उन्नाव ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द से जल्द यूपीडा से सामंजस्य स्थापित कर उपरोक्त सर्विस लाइन की सड़क व उपरोक्त गड्ढे को दुरुस्त कराया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

मियाँगंज, उन्नाव।क्षेत्र के अंतर्गत जनपदीय टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ग्रामीणों की अनेक बीमारियों की निःशुल्क जाँच की गयी तथा मरीजों को निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया है।ग्राम पंचायत भडुवा के मजरा बजेहरा में सामुदायिक भवन में जनपद स्तरीय टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें एक सैकड़ा से अधिक लोगों की एच आई वी एवं क्षय रोग से संबंधित जाँच की गयी जिसमें एच आई वी से संक्रमित कोई भी मरीज नहीं पाया गया व क्षय रोग से सम्बन्धित ग्यारह लोग लक्षण युक्त पाए गए जिनको बलगम जांच के लिए डिब्बियां देकर शुक्रवार को सीएचसी मियाँगंज में जांच हेतु बुलाया गया है अगर इसमें कोई भी मरीज क्षय रोग से ग्रस्ति पाया जाता है तो उसका उपचार निःशुल्क किया जाएगा और मरीज को पोषण आहार के लिए पांच सौ रुपए मरीज के सीधे खाते में भेजा जाएगा । सर्दी,जुकाम,बुखार से पीड़ित मरीजों को वरिष्ठ क्षय रोग पर्वेक्षक राम प्रकाश यादव द्वारा निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया ।इस दौरान वरिष्ठ क्षय रोग पर्वेक्षक राम प्रकाश यादव,ग्राम प्रधान राकेश यादव,मोहम्मद फुरकान जिला प्रोग्राम समन्वयक टीबी एचआई वी,काउंशलर पंकज कुमार शुक्ला,लैब टेक्नीशियन मोहम्मद वसीम खान,परामर्शदाता विनीता मिश्रा,एनजीओ श्वेता सिंह,शादाब, अभिनव सहित अन्य लोग मौजूद रहे ।

जबरन किशोरी को भगा ले जाने वाले युवक को पुलिस ने भेजा जेल

सफीपुर, उन्नाव। क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़ित पिता ने नाबालिक पुत्री के घर से गायब होने की सूचना पुलिस को दी।पुलिस ने गांव के एक खंडहर पड़े घर से लड़का और लड़की को खोज निकाला।पुलिस ने किशोरी का मेडिकल परीक्षण करा पीड़ित पिता की तहरीर पर युवक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर युवक को जेल भेज दिया।कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी घर में सोई हुई थी सभी परिजन भी सो गए जब सुबह हुई तो लड़की घर में नहीं थी तो सोंचा कि शौंच के लिए गई होगी लेकिन काफी देर तक जब बेटी घर नहीं लौटी तो इधर उधर काफी खोज बीन की लेकिन नहीं मिली पीड़ित पिता ने गांव के ही एक युवक पर बेटी को बहला फुसला कर भगा ले जाने का आरोप लगाया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक खंडहर से दोनों को बरामद कर लिया।पीड़ित पिता की तहरीर पर युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच न्यायालय में पेश किया जहां पर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया।

विद्यालय में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सफीपुर, उन्नाव।शासन के दिशा निर्देश पर पी एम श्री योजना में चयनित प्राथमिक विद्यालय में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम रूपपुर चंदेला के प्राथमिक विद्यालय में शासन के निदेशांनुसार पी एम श्री वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसमे विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया गया.विद्यालय के प्रधानाध्यापक जावेद अख्तर ने बताया कि ब्लॉक क्षेत्र का यह प्राथमिक विद्यालय पी एम श्री योजना में चयनित मात्र इकलौता विद्यालय है जिसमे केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा विद्यालय का कायाकल्प कराया जाना है. कार्यक्रम में विद्यालय में नामांकित छात्र छात्राओं,अभिभावकों, गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति सराहनीय रही.इस अवसर पर प्रमुख रूप से ग्राम प्रधान रामरोशनी,प्रधान पति प्रताप नारायण,प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश द्विवेदी व ब्लॉक अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह,जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष तौसीफ अली खान,देवेंद्र कुशवाहा,विद्यालय के शिक्षकों में पूजा खन्ना, स्वाती तिवारी एवं शिक्षा मित्र जयपाल सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

आयोजित नेत्र शिविर में बेटियों ने बिखरी अद्भुत छटा

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुंजायमान हुआ विद्यालय परिसर

अमन लेखनी समाचार

छिवलहा, फतेहपुर। जनपद के जनता इंटर कॉलेज छिवलहा कस्बे में सतगुरु सेवा संघ ट्रस्ट चित्रकूट द्वारा निशुल्क नेत्र सिविर का भव्य आयोजन आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जनता इंटर कॉलेज की प्रबंधिका शीला गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया वहीं कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत सरस्वती वंदना आदि प्रस्तुत करते हुए आयोजित कार्यक्रम में चार चांद लगाए विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सुरेंद्र कुमार मालवीय द्वारा प्रबंध समिति के सदस्यों का माल्यार्पण अंग वस्त्र के साथ भव्य स्वागत किया गया नेत्र सिविर अंतर्गत विद्यालय के होनहार छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर शील्ड तथा मेडल प्रदान किया गया चित्रकूट से पधारे नेत्र चिकित्सक डॉ विनय अग्रहरि समेत पूरी टीम ने शिविर में लगभग आधा सैकड़ा लोगों का मोतियाबिंद धनात्मक परीक्षण किया जिन्हें ऑपरेशन के लिए जानकी कुंड चित्रकूट भेजा गया वहीं चिकित्सक ने बताया कि आगामी वर्ष 2024 की 21 जनवरी को पुनः शिविर का आयोजन संपन्न कराया जाएगा ।

चिंतन

सांसदों का निलंबन हंगामे का हल नहीं

संसद में शीतकालीन सत्र के दौरान लगातार हंगामा कर रहे सांसदों पर लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ने कड़ा एक्शन लिया है। हालांकि यह अपरिहार्य था और इसके अलावा कोई रास्ता नहीं था, यह बहस का विषय है, पर अभी बीते दो दशक से विपक्षी दलों ने संसद में हंगामे को अपना धर्म जरूर बना लिया है। इससे संसद की कार्यवाही बुरी तरह प्रभावित हो रही है। संसद हंगामे का पर्याय बन गई है। लोकसभा और राज्यसभा से सोमवार को 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया है, इनमें 33 लोकसभा व 45 राज्यसभा के हैं। लोकसभा से जिन सांसदों को निलंबित किया गया है, उनमें से 30 संसद के पूरे शीतकालीन सत्र तक सस्पेंड रहेंगे। बाकी तीन- को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक सस्पेंड किया गया है। इन तीनों पर स्पीकर के पोडियम पर चढ़कर नारेबाजी करने का आरोप है। इसी तरह, राज्यसभा से जिन 45 सांसदों को सस्पेंड किया गया है, उनमें से 34 को पूरे सत्र और 11 को विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित किया गया है। बीते सप्ताह भी 14 सांसदों को निलंबित किया गया था। अभी कुल 92 सांसद निलंबन झेल रहे हैं। इसके बाद से विपक्ष पर सरकार का हमला बढ़ गया है। संसद की सुरक्षा में चूक के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों के जोरदार हंगामे और गृहमंत्री अमित शाह से सदन में बयान देने की मांग को लेकर नारेबाजी के कारण लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही कई दिनों से बाधित हो रही है और कई बार स्थगित करनी पड़ रही है। सदन में आसन की चेतावनी के बावजूद विपक्षी सांसद लगातार तख्तियां लहराते रहे हैं और सदन की अवमानना करते रहे हैं। यह सांसद के आचरण के अनुरूप नहीं है। पहली बार नहीं है, जब इतने व्यापक स्तर पर सांसदों को सत्र के दौरान हंगामा करने के चलते निलंबित किया गया हो, आंकड़े देखें तो पिछले 10 साल में लोकसभा और राज्यसभा के 154 सांसद निलंबित हो चुके हैं। इसमें उन सांसदों के नाम भी शामिल हैं, जिन्हें एक से ज्यादा बार सस्पेंड किया गया था। वर्ष 1989 में जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे और कांग्रेस के पास प्रचंड बहुमत था, तब एक बार में 63 सांसदों को निलंबित किया गया था। इन सभी सांसदों को एक हफ्ते के लिए निलंबित किया गया था। ये सांसद ठक्कर कमीशन की रिपोर्ट पर हंगामा कर रहे थे। ठक्कर कमीशन ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की जांच की थी। इसी पर हंगामा हुआ था। इन सांसदों के निलंबन के साथ ही चार और सांसदों ने भी वाकआउट कर दिया था। वर्ष 2013 में लोकसभा की तत्कालीन स्पीकर मीरा कुमार ने 12 सांसदों को पांच दिन के लिए सस्पेंड कर दिया था। ये सांसद आंध्र प्रदेश से अलग कर तेलंगाना बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। वर्ष 1962 से ही संसद से सांसदों के निलंबन का इतिहास है। तीन सितंबर 1962 को गोदे मुरहारी को संसद के पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था। वर्ष 2012 के बाद से सांसदों का निलंबन सत्र के दौरान बढ़ा है। इसका कारण यह भी है कि विपक्ष में जो भी पार्टी हो, संसद सत्र के दौरान हंगामा कर संसदीय कार्यवाही में बाधा डालने की प्रवृत्ति बढ़ती गई है। अभी संसद में विधेयकों पर सारगर्भित बहस ना के बराबर होती है, विपक्ष हमेशा सरकार के हर कदम का विरोध करने व उस पर हंगामा खड़ा करने के मूड में रहता है। राज्यसभा के रूल बुक के नियम 255 व लोकसभा रूल बुक के नियम 373 व 374 के तहत सांसदों का निलंबन होता है। सांसदों का सामूहिक निलंबन हंगामा बंद कराने का हल नहीं है, इसका लोकतांत्रिक तरीका ही निकले।

विचार

अशोक चतुर्वेदी

सदन रत्न डॉ. रमन

डॉ. रमन को मैंने पहली बार अविभाजित मध्य प्रदेश की विधानसभा में सत्ता पक्ष के विधायक के तौर पर राज्यपाल के भाषण के चर्चा के दौरान सुना। सदन में बहुत मुखर ना होने के बावजूद वे ध्यान इसलिए खींचते थे क्योंकि वे सुदर्शन, सहज और विनम्र थे। सदन में लगातार उपस्थित रहते थे। अपनी जगह बैठकर कार्रवाई को एकाग्रता से सुनते और कम बोलते थे। कुशल सांसद विद होने के लिए सिर्फ अच्छा वक्त ही नहीं अच्छा श्रोता भी होना चाहिए। वे जब कभी चर्चा के दौरान हस्तक्षेप के लिए उठते थे तो सदन उन्हें ध्यान से सुनता था। महज विरोध के लिए विरोध करने या अखबारों की सुर्खियां बटोरने की गरज से डॉक्टर साहब ना कुछ करते थे ना कहते थे। विषय वस्तु को सलीके से रखना उनकी विशेषता थी। कम और सटीक शब्दों में वह अपनी बात सहजता से रखने के आदी रहे हैं।

डॉ रमन को सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की बैंच पर बैठकर काम करने का अवसर मिला है। कम ही सदस्य ऐसे होते हैं जो इन दोनों भूमिकाओं में

संगति बैठ पाते हों। अक्सर होता यह है कि जब आप विपक्ष में होते हैं तो व्यवस्था की विसंगतियां पर प्रहार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते।सत्ता पक्ष को जैसे तैसे कटघरे में खड़ा करना उनका मुख्य उद्देश्य होता है। ऐसा करने में कई बार अधिकारियों का अवांछित बचाव और पार्टी का प्रचार परम लक्ष्य बन जाता है। डॉक्टर रमन इस कथन के अपवाद हैं। ऐसा इसलिए संभव हो सका कि वे घटनाओं और परिस्थितियों को वस्तुनिष्ठ ढंग से देखते हैं और तभी किसी नतीजे पर पहुंचते हैं। वह उन बिरले जनप्रतिनिधियों में से एक हैं जिन्हें कथनी और करनी के अंतर विरोध का सामना नहीं करना पड़ता।

3 सितंबर 1992 को मध्य प्रदेश की विधानसभा में बस्तर के मरईगुड़ा गांव के पास नक्सलियों द्वारा बारूदी सुरंग विस्फोट से 17 पुलिस कर्मियों के शहीद होने पर स्थगन प्रस्ताव लाया गया ।पटवा जी मुख्यमंत्री थे। उस समय डॉक्टर रमन ने न सिर्फ सदन में घटना का विश्लेषण किया बल्कि बड़े तार्किक ढंग से नक्सल समस्या को दूर करने के लिए जन सहयोग और विकास की जरूरत बताई। विधि का विधान देखिए,इन्ही डॉक्टर रमन को एक दिन मुख्यमंत्री के रूप में यह समस्या विरासत में मिली। उन्होंने डेढ़ दशक पहले अपने द्वारा सुविचारित ढंग से रखे गए दृष्टिकोण को मुख्यमंत्री के कार्यकाल में व्यवहार की जमीन पर उतारा। आदिवासी क्षेत्र के विकास को लेकर जो रणनीति उन्होंने अपननाई उसने उन्हें सफल प्रशासक से आगे एक जननायक के रूप में प्रतिष्ठित किया। छत्तीसगढ़ के लिए डॉक्टर रमन की प्रतिबद्धता का अंदाज अभिभाजित मध्य प्रदेश की विधानसभा में अक्सर देखने को मिलता रहा है ।1991 में अल्प वर्षा की वजह से इस क्षेत्र की दयनीय दशा का चित्र उन्होंने अल्पकालिक चर्चा के दौरान खींचा ।दिसंबर 1991 के सत्र में उन्होंने जिलों के पुनर्गठन और बिलासपुर में रेल जोन मुख्यालय स्थापित करने की मांग, अशासकीय संकल्प के माध्यम से रखी। मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने जिलों के पुनर्गठन और केंद्रीय संस्थानों को छत्तीसगढ़ में स्थापित करने की जो मुहिम चलाई थी ,वह उनके इसी दृष्टिकोण का हिस्सा रही है। कृषि, सिंचाई, शिक्षा, वित्त और पर्यटन जैसे विभाग उनकी विशेष रुचि के विषय हुआ करते थे। अशासकीय सदस्य के तौर पर डॉक्टर साहब इन विभागों की अनुदान मांगों पर बहस में सक्रियता से हिस्सा लेते थे। जब बृजमोहन अग्रवाल पर्यटन विभाग के मंत्री थे तो डॉक्टर साहब ने उनसे छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को विकसित करने का पुरजोर आग्रह सदन में किया था।

मध्य प्रदेश की विधानसभा में छत्तीसगढ़ के विधायकों की एक टीम जैसी बन गई थी जो कभी-कभार अपनी माटी और अपने लोगों से लगाव की खातिर पार्टी हितों से आगे जाकर भी मुखर होती थी। यही कारण था कि छत्तीसगढ़ का गठन इतनी सुचारुता और सुगमता से संभव हो सका।

नये साल की दहलीज पर

करवट

कुमार प्रशांत

2023 के अंतिम दिनों में, 12–28 नवंबर के दौरान मौत की सुरंग में घुटते 41 लोग जिस तरह 400 घंटों की मेहनत के बाद, जीवन की डोर पकड़ कर हमारे बीच लौट आए, वह भूलने जैसा नहीं है। यह चमत्कार, किसी नेता या सरकार ने नहीं किया, आदमी के भीतर के आदमी ने किया। यह कहना भी बेजा बात है कि मशीनों ने नहीं, मनुष्य के हाथों ने ही अंतत: उन श्रमिकों को बचाया. सच का सच यह है कि मशीनों ने जहां तक काम कर दिया था यदि उतना न किया होता तो इन श्रमिकों का बचना कठिन था; उतना ही सच यह भी है कि जहां पहुंच कर मशीनें हार गई थीं वहां से आगे का काम हाथों ने न किया होता तो इन श्रमिकों का बचना असंभव था।

365 दिनों के रिश्ते को एक झटके में तो आप विदा नहीं कह सकते हैं न ! भले ही 2023 का कैलेंडर चुक जाए, ये 365 दिन हमारे साथ रहेंगे। और यह भी याद रखने जैसी बात है कि इन 365 दिनों ने कम-से-कम 365 ऐसे जख्म तो दिए ही हैं जो अगले 365 दिनों तक कसकते रहेंगे। अपनी कहूं तो यह दर्द और यह असहायता मुझे भीतर तक छलनी कर देती है कि हम हैं और मणिपुर भी है; कि हम हैं और कश्मीर भी है; कि हम हैं और उत्तरप्रदेश भी है; कि हम हैं और सार्वजनिक जीवन की तमाम मर्यादाओं को गिराती व संविधान को कुचलती सत्ता की राजनीति भी है। मेरा दम घुटता है कि हम सब हैं और यूक्रेन भी है; कि हम सब हैं और गजा भी है; अफगानिस्तान भी है व म्यांमार भी है; पास का पाकिस्तान भी है, सुदूर के वे सब नागरिक भी हैं जिनका अपना कोई देश नहीं है। जो कहीं, किसी देश के नागरिक नहीं माने जा रहे हैं लेकिन हैं वे हमारी-आपकी तरह ही नागरिक; हमारी-आपकी तरह इंसान ही। इंसान के माप की दुनिया भी तो नहीं बना पाए हैं हम !

तमाम बड़ी-बड़ी संस्थाएं, आयोग, ट्रस्ट और योजनाएं बनी पड़ी हैं कि इंसान को सहारा दिया जाए लेकिन आज दुनिया में जितने बेसहारा लोग (सिर्फ रोहंग्या नहीं !) सड़कों पर हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। आज अपनी-अपनी सरकारों के खिलाफ जितने ज्यादा लोग संघर्षरत हैं, उतने पहले कभी नहीं थे। आज असहमति के कारण जितने लोग अपने ही मुल्क की जेलों में बंद हैं, उतने पहले नहीं थे। सरकार बनाने वाली जनता व उनकी बनाई सरकार के बीच की खाई आज जितनी गहरी हुई है, होती जा रही है, उतनी पहले कभी नहीं थी। यह तस्वीर कहीं एक जगह की नहीं, सारे संसार की है। लोकतंत्र का 'लोक' अपने 'तंत्र' से परेशान है; 'तंत्र' अपने 'लोक' को मुट्ठी में करने की बदहवासी में दानवी होता जा रहा है। हम यह भी देख रहे हैं कि कल तक प्रगतिशील नारों की तरफ आकर्षित होने वाले लोग, बड़ी तेजी से प्रतिगामी नारों- आवाजों की तरफ भाग रहे हैं; और वहां से मोहभंग होने पर फिर वापस लौट रहे हैं। यह सच में वापसी होती तो भी आशा बंधती लेकिन यह निराशा की वापसी है।

हत्या से ठीक पहले वाली रात यानी अपनी जिंदगी की आखिरी रात को गांधी ने भविष्यवाणी-सी जो बात संसदीय लोकतंत्र के लिए लिखी थी, वह दस्तावेज हमारे बीच धरा हुआ है। कभी लगता है कि दुनिया उस तरफ ही भाग रही है। गांधी ने लिखा था : संसदीय लोकतंत्र के विकास-क्रम में ऐसी स्थिति आने ही वाली है जब लोक व तंत्र के बीच सीधा मुकाबला होगा। क्या हम उस दिशा में जा रहे हैं? लेकिन यह मुकाबला निराशा या भटकाव के रास्ते संभव नहीं है। 2023 निराशा व अनास्था का यह टोकरा 2024 के सर धर कर बीत जाएगा और छीजते-छीजते मानव रीत जाएगा।

यह सब कहते हुए मैं भूला नहीं हूं कि आपाधापी के इस दौर में भी हर कहीं कोई 'आंग-सू' भी है। मेरी आंखों में वे अनगिनत लोग भी हैं जो फलस्तीनियों के राक्षसी संहार का विरोध करने इंग्लैंड, अमरीका आदि मुल्कों में सड़कों पर निकले हैं। मैं यह भी देख पा रहा हूं कि फलस्तीनियों व हमास में फर्क करने का विवेक रखा जा रहा है। मैं भूला नहीं हूं कि श्रीलंका के भ्रष्ट व निकम्मे सत्ताधीशों को सिफर बना देने वाला श्रीलंका का वह नागरिक आंदोलन भी इन्हीं 365 दिनों की संतान है, भले वह आज बिखर गया है। इन 365 दिनों में भारत समेत संसार की तथाकथित महाशक्तियां अपने स्वार्थ का तराजू लिए जैसी निर्लज्ज सौदेबाजी में लगी रही हैं, उस

बीच भी म्यांमार में नागरिक प्रतिरोध बार-बार अपनी ताकत समेट कर सर उठा रहा है। इन 365 दिनों की चारदीवारी के भीतर बहुत कुछ मानवीय भी घट व बन रहा है जिसे समर्थन व सहयोग की जरूरत है।

2023 के अंतिम दिनों में, 12-28 नवंबर के दौरान मौत की सुरंग में घुटते 41 लोग जिस तरह 400 घंटों की मेहनत के बाद, जीवन की डोर पकड़ कर हमारे बीच लौट आए, वह भूलने जैसा नहीं है। यह चमत्कार, किसी नेता या सरकार ने नहीं किया, आदमी के भीतर के आदमी ने किया। यह कहना भी बेजा बात है कि मशीनों ने नहीं, मनुष्य के हाथों ने ही अंततः उन श्रमिकों को बचाया. सच का सच यह है कि मशीनों ने जहां तक काम कर दिया था यदि उतना न किया होता तो इन श्रमिकों का बचना कठिन था; उतना ही सच यह भी है कि जहां पहुंच कर मशीनें हार गई थीं वहां से आगे का काम हाथों ने न किया होता तो इन श्रमिकों का बचना असंभव था। मशीनों व इंसानों के बीच यही तालमेल व संतुलन चाहिए। जब गांधी कहते हैं कि आदमी को खारिज करने वाली मशीनें मुझे स्वीकार नहीं हैं लेकिन आदमी की मददगार मशीनें हमें चाहिए, तो वे वही कह रहे थे जो सिल्कयारा-बारकोट सुरंग में फंसे श्रमिकों को बचाने में साबित हुआ। उन सबको सलाम जो यह कठिन काम अंजाम दे सके लेकिन उन सवालों को उसी सुरंग में दफना नहीं दिया जाना चाहिए जिनके कारण यह त्रासदी हुई। दुर्घटनाओं के पीछे असावधानियां होती हैं। निजी असावधानी की कीमत व्यक्ति भुगत लेता है लेकिन जिस असावधानी का सामाजिक परिणाम हो, वह न छोड़ी जानी चाहिए, न भुलाई जानी चाहिए। उसका खुलासा होना चाहिए तथा असावधानी की जिम्मेवारी तय होनी चाहिए। कोई बताए कि खोखले दावों व जुमलेबाजियों के प्रकल्प के अलावा हमारे सरकारी प्रकल्पों को पूरा होने में इतना विलंब क्यों चल रहा है? सुरंगों की ऐसी खुदाई में श्रमिकों को असुरक्षित उतारने वाले ठेकेदार व अधिकारी कौन थे? उनको क्या सजा मिल रही है? ऐसी खुदाइयों के जो सुनिश्चित मानक बने हुए हैं, यहां उनका पालन क्यों नहीं किया गया ? इसके जिम्मेवार कौन थे व उनकी क्या सजा तय हुई ? न धरती मुर्दा है, न पहाड़ ! इनके साथ व्यवहार की तमीज न हो तो आपको इनसे दूर रहना चाहिए। पूरा हिमालय हमारी मूढ़ता व संवेदनशीलता का पहाड़ बन गया है। उत्तरकाशी का यह हादसा भी भुला दिया जाएगा क्योंकि विकास के जहरीले सांप ने हमें बेसुध कर रखा है। तो 2024 का एक संकल्प यह भी हो सकता है : सांप से बचो तो हिमालय बचेगा भी और हमें बचाएगा भी।

मैं यह भी देख रहा हूं कि समाज का अर्द्ध-साक्षर लेकिन बेहद सुविधा प्राप्त वह वर्ग, जो 'न हींग लगे व फिटकरी लेकिन रंग आए चोखा' वाली शैली में जीवन जीने के आसान, कायर रास्तों की खोज में रहता है; जिसने आजादी की लड़ाई में बमुश्किल कोई भूमिका अदा की लेकिन जो आजादी का भोग सबसे ज्यादा भोगता रहा है; जिसने हमेशा एकाधिकारशाही का मुदित मन स्वागत किया है; जिसने पिछले वर्षों में हिंदुत्व की लहर पर चढ़ कर, अपनी खास हैसियत का लड्डू खाने का सपना देखा है, अब मोहभंग जैसी स्थिति में पहुंच रहा है। उसे लगने-लगा है कि उसके हाथ मनचाहा लग नहीं रहा है। आजादी के तुरंत बाद ही सत्ता व स्वार्थ की जैसी आपाधापी मची उससे हैरान गांधी ने कहा था: समाज भूखा है यह तो मैं जानता था लेकिन वह भूख ऐसी अजगरी है, इसका मुझे अनुमान नहीं था। सांप्रदायिकता-जातीयता-एकाधिकारशाही हमेशा ही वह दोधारी तलवार है जो इधर-उधर, दोनों तरफ बारीक काटती है। जब तक दूसरे कटते हैं, हम ताली बजाते हैं; जब हम कटते हैं तब ताली बजाने की हालत में भी नहीं बचते हैं। अब कहीं, कोई ताली नहीं बची है। सर धुनने की आवाजें आ रही हैं। यह सन्निपात की स्थिति है और सामाजिक सन्निपात हिटलरी मानसिकता को बढ़ावा देता है।

नये साल की दहलीज पर खड़ा हमारा देश अपनी निराशा से निकले, सन्निपात की आवाजों को सुने-समझे तो नये साल में कोई नई संभावना पैदा हो सकती है। संभावना सिद्धि नहीं है। उसे सिद्धि तक पहुंचाने के लिए मानवीय पुरुषार्थ का कोई विकल्प नहीं है। हमें याद रखना चाहिए कि चेहरे बदलने से, 'म्यूजिकल चेयर' खेलने से विकल्प नहीं बनते हैं। उनके पीछे गहरी समझ व संकल्प की जरूरत होती है। नया साल हमारे नये पुरुषार्थ का साल बने इस कामना के साथ हम पुराने 365 दिनों को विदा दें तथा नये 365 दिनों का स्वागत करें।

मुश्किल से जो लब तक आई है एक कहानी वह भी है
और जो अब तक नहीं कही है एक कहानी वह भी है।

जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है

संकलित

दर्शन

जिस प्रकार संपूर्ण जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है, उसी प्रकार मनुष्यों का विकास भी प्रारंभिक मानवीय प्रतिभाओं से आरंभ होकर विकास की उच्चतर अवस्थाओं तक होता है। उनकी क्षमता एक जन्म के बाद दूसरे जन्म में निरंतर और अधिकाधिक विकसित होती रहती है। संपूर्ण मानव जाति विकास एवं प्रतिविकास के चक्रों से गुजरती रहती है, जिन्हें शास्त्रों में युगों के नाम से संबोधित किया जाता है। उनका आरोहण और अवरोहण होता रहता है। इस समय हम एक ऐसे युग में हैं, जो आरोहण की अवस्था में है। दूसरे शब्दों में, वर्तमान काल में जन्म लेने वाले आत्माएं अपने दादा-दादी और परदादा-परदादी की अपेक्षा विकास की उच्चतर अवस्था में हैं।- आज के बच्चों को देखें, उनके अंदर स्वाभाविक रूप से यह भावना है-, 'नहीं, केवल किसी की त्वचा के रंग के कारण मेरे हृदय में उनके प्रति घृणा उत्पन्न नहीं होगी,' और इन बच्चों के हृदयों में एक अन्य प्रकार की मानवीय अज्ञानता के प्रति एक स्वाभाविक अस्वीकृति है, जिसमें संपूर्ण विश्व के सभी देशों में पुरानी पीढ़ियां दृढ़तापूर्वक विश्वास करती थीं। यह लगभग ऐसा है कि जैसे वे पहले से ही थोड़ी-बहुत तैयारी करके आते हैं। मेरे विचार से, जब आपकी आयु मेरी वर्तमान आयु के बराबर होगी, तो संभवतः आप और भी बहुत अधिक विकास को देखेंगे। तब आप पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, 'ओह, उन पिछली पी के लोग ऐसे कैसे हो सकते थे?'

अच्छी बातों को याद कर उसे जीवन में उतारे

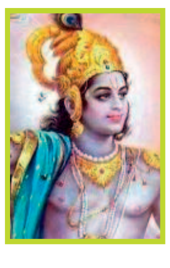

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों का पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

अंतर्मन

आज की पाती

पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत बनाया जाए

हमारा देश गांवों का देश है। यहां पंचायती राज व्यवस्था का सुदृढ़ होना बहुत जरूरी है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने गांवों की दशा सुधारने के लिए कहा था कि अगर पंचायती राज संस्थाएं उचित तरीकों से काम करती हैं और आम जन विकास के कामों में भाग लेता है, तो देश में माओवादी खतरे का मुकाबला भी किया जा सकता है। पंचायतें लोकतंत्र की प्रथम सीढ़ी और आधार होती हैं। गांवों की दशा सुधारने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से ज्यादा जिम्मेदारी पंचायतों की होती है। पंचायतों से यही उम्मीद होती है कि वे अपने-अपने गांव में अच्छा बदलाव और विकास करेंगी और केंद्र व राज्य सरकारों की योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए बिना किसी भेदभाव के काम करेंगी।

–राकेश गुप्ता, कांकेर

संकल्प यात्रा

चंद्रशेखर साहू

विकसित भारत का संकल्प सबका विकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी अपने संबोधनों में बार-बार विकसित भारत को निर्मित करने के लिए ठोस कार्ययोजना की बात करते हैं। भारतीय जनों की श्रम शक्ति और देश भक्ति को विकास की शक्ति में रूपांतरित करने के लिए विकसित भारत की परियोजना पर काम कर रहे हैं। इस विकसित भारत संकल्प यात्रा को प्रधानमंत्री मोदी के 'आह्वान' को साकार रूप देने की कोशिश के रूप में भी देखा जा सकता है। विकसित भारत संकल्प यात्रा देश भर में निकाली जा रही है जिसका उद्देश्य सरकार की प्रमुख योजनाओं में परिपूर्णता हासिल करना है और इसके तहत यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन योजनाओं का लाभ सभी लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

इस यात्रा का उद्देश्य विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में नागरिकों के बीच जागरूकता पैदा करना और योजनाओं के शत प्रतिशत संतृप्ति के लिए 'जनभागीदारी' की भावना में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करना है। यह भारत सरकार की अब तक की सबसे बड़ी आउटरीच पहल है। यह पहल 25 जनवरी, 2024 तक देश भर में 2.60 लाख ग्राम पंचायतों और 4000 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों को कवर करेगी। केवल एक महीने की छोटी सी अवधि में, यह यात्रा देश की 68,000 ग्राम पंचायतों (जीपी) में 2.50 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गई है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में, लोगों के लिए गैस सिलेंडर, आधार अपडेट, ऋण और बैंक खाते जैसी आवश्यक चीजों तक पहुंच अधिक सुलभ हो गई है।' विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सामुदायिक जुड़ाव को प्रोत्साहित करते हुए जोर दिया गया है , 'मोदी की गारंटी के तहत, हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी वंचित न रहे।'

बीमा योजना और पेंशन योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं को शामिल करने के लिए चर्चा को आगे बढ़ाया गया , जिसमें व्यक्तियों से 60 वर्ष की आयु के बारे में शिक्षित करने में भी काम किया। उपचार के लिए पोषण संबंधी सहायता और आवश्यक दवा के प्रावधान शामिल हैं। स्वास्थ्य शिविरों में भाग लेने और स्वास्थ्य जांच और जागरूकता के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैन के किए जाए । यह रणनीति 'व्यक्तियों को उनकी भलाई के लिए आवश्यक स्वास्थ्य ज्ञान और संसाधनों के साथ सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं।'

जैसा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा ने अपनी व्यापक पहुंच जारी रखी है, इस तरह की जमीनी स्तर की पहल के परिवर्तनकारी प्रभाव को दूरगामी है। प्रधानमंत्री का का दृढ़ विश्वास एक सूचित और समावेशी समाज को आकार देने के लिए आवश्यक निरंतर प्रतिबद्धता पर जोर देता है। यह सामूहिक प्रयास एक अधिक समृद्ध और न्यायसंगत भारत की दिशा में एक मार्ग प्रशस्त करता है, जो सभी के लिए एक उज्जवल भविष्य की सामूहिक आकांक्षा के साथ प्रतिध्वनित होता है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा देश को नए पायदान पर खड़ा करने की एक सशक्त और महत्वाकांक्षी पहल है, हमें इस यज्ञ में भारतीय नागरिक के रूप में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ज़ी का विजन है

कविता

गम किसी भी दम हमको भी खाना पड़ेगा
वक़्त के ही साथ हमको भी बह जाना पड़ेगा ।

कण्ठ से चाहे बहे अब रक्तधारा
गीत हमको फिर वही गाना पड़ेगा ।

आज फिर वो ही बहस लो छिड़ गई है
हाँ उसे फिर वो ही समझाना पड़ेगा ।

है मेरा संग्राम जब घनघोर तम से
रौशनी को द्वार तक आना ही पड़ेगा ।

बना लिया हथियार उसने नफरतों को
सँग उसी के उसको रह जाना ही पड़ेगा
कण्ठ है अवरुद्ध और आंखे है सजल पर
दूर तक आवाज को जाना ही पड़ेगा ।

खो गया खुशियों के हाथों से सुकूँन तो
ढूँढकर उसको हमें ही लाना पड़ेगा ।

देखता है वो सभी के दाग हर पल
आईना उसको भी दिखलाना ही पड़ेगा ।

सुबह निकला था झगड़कर मुझसे 'सागर'
हो गई है सांझ उसे घर आना ही पड़ेगा
हो गई है सांझ उसे घर आना ही पड़ेगा!

लेखक– अजीत सिंह (पत्रकार)
समाजसेवी, परास्नातक

संक्षेप

चार दिवसीय प्रशिक्षण का निरीक्षण कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज ब्लॉक संसाधन केंद्र कुण्डासर में चल रहे से 4 दिवसीय एफ एल एन प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पयागपुर के प्राचार्य उदयराज ने प्रशिक्षण का शत प्रतिशत प्रतिभागी शिक्षक / शिक्षिकाओं से कहा सभी प्रशिक्षण बच्चों के बुनियादी शिक्षा पर बल देने के लिए है जिसके लिए समय-समय सभी शिक्षकों का प्रशिक्षण कराया जा रहा है। प्रशिक्षण का शत प्रतिशत अनुपालन विद्यालयों में सुनिश्चित होना चाहिए बच्चों के अंदर झीझक दूर होनी चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी जितेन्द्र बहादुर चौधरी ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग कर रहे सभी शिक्षकों से प्रशिक्षण को पूरी तन्मयता के साथ करें व सन्दर्भदाता ए आर पी से प्रशिक्षण के सभी कंटेंप्ट को सुगम तरीके से विभागीय दिशा निर्देश के साथ प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया। संदर्भ दाता महेंद्र चौधरी ,अरविंद कुमार शुक्ला ,अरविंद कुमार शर्मा, कृपा शंकर दुबे ,सुनील सोनी ने बहुत ही सरल तरीके प्रशिक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की।

समाजवादी पार्टी अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव बनाए गए चित्रसेन सिंह

कैसरगंज, बहराइच। जनपद बहराइच के तहसील कैसरगंज बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री चित्रसेन सिंह एडवोकेट को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशन पर अधिवक्ता सभा के प्रदेश अध्यक्ष सिकंदर यादव एडवोकेट के द्वारा प्रदेश कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति की खबर सुनते ही क्षेत्र सहित कैसरगंज के अधिवक्ताओं में हर्ष का माहौल है और बधाइयो का दौर जारी है। अधिवक्ता चित्रसेन सिंह ने बताया कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा करके मुझे अधिवक्ता सभा के कार्यकारणी में प्रदेश सचिव के पद पर बैठाया है। इसके लिए मैं पार्टी का ऋणी रहूंगा। क्षेत्र वासियों सहित कैसरगंज के अधिवक्ताओं के आशीर्वाद से इस पद पर पहुंचा हूं इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं और मैं भरोसा दिलाता हूं कि अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करते हुए पार्टी के निर्णय सहित जन हित मे कार्य करूंगा और अपने क्षेत्र की समस्याओं सहित अधिवक्ताओं के विषय को प्रदेश तक ले जाने का काम करूंगा।

सुल्तानपुर में दबंगों ने बस रुकवा कर की मारपीट

सुलतानपुर, सुल्तानपुर में अराजकतत्वों की दबंगई का एक वीडियो सामने आया है। जहां अयोध्या जा रही निजी बस को रोककर अराजकतत्वों ने बस के शीशे तोड़ दिए।

घटिया सड़क निर्माण करने वालों पर होगी कड़ी कार्यवाहीः आलोक जिंदल

ग्रामीणों की शिकायत पर सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांचा

बलहा विधायक प्रतिनिधि के साथ मौजूद रहे विभागीय अधिकारी

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। बलहा विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण में अनियमितता की शिकायत मिलने पर जांच करने पहुंचे विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया की जांच कर कठोर कार्रवाई करें जिससे सड़क निर्माण में कोई भी घोटाला न कर सके और सड़क मजबूती के साथ बनाई जाए। मिहीपुरवा तहसील के ग्राम मधवापुर में पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से सड़क निर्माण कराया जा रहा है सड़क निर्माण में जमकर अनियमितता बरती जा रही है जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने बलहा विधायक सरोज सोनकर से मिलकर की थी। विधायक ने शिकायत को संज्ञान लेते हुए विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल को मौके पर भेजा विधायक प्रतिनिधि ने विभागीय अधिकारियों के साथ सडक निर्माण की गुणवत्ता को जांचा। सडक निर्माण में काफी अनियमितता मिली जिसपर सडक का निर्माण कार्य रोकवा दिया गया है।

मिहींपुरवा विकास खण्ड के ग्राम मधवापुर में गूढ हरखापुर मार्ग से जमुनापुर गांव तक निमार्णाधीन सडक का निर्माण कार्य किया जा रहा है सड़क निर्माण में घोर अनियमितता बरती जा रही थी। जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक से की थी विधायक के निर्देश पर सडक निर्माण का जायजा लेने बलहा विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल मौके पर पंहुचे तो सडक निर्माण में भारी अनियमितता पायी गयी जिस पर सडक निर्माण कार्य रोककर मौके पर मौजूद पी डब्ल्यू डी के अधिकारियों को सडक निर्माण में खामियों को दूर कराकर सड़क का निर्माण कार्य कराने का निर्देश दिया। विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल ने कहा कि अधिकारियो के निगरानी में बनाई जा रही सड़क निर्माण में इतनी अनियमितता कैसे हुई इसकी जांच कराई जाएगी मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण में जमकर मिट्टी बालू डाला जा रहा है। जिस पर विधायक प्रतिनिधि ने सडक की जाँच कर कार्यवाही किये जाने की बात कही।सडक निर्माण की जांच के संबंध में पूछे जाने पर विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर विभागीय अधिकारियों के साथ जब मौके पर पंहुचकर जांच की गयी तो तमाम खामिया मिली है। सडक के निर्माण कार्य को रोककर सडक की कमियों को दूर कराने के निर्देश दिए गए हैं। जब तक सडक निर्माण की कमियों को दूर नही किया जाता है सडक का निर्माण नहीं होगा साथ ही साथ अनियमितता की जांच कराई जाएगी। इस मौके पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी एवं काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मोतीपुर पुलिस ने स्मैक गांजा के साथ दो अभियुक्त को भेजा जेल

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। मोतीपुर पुलिस तथा एसएसबी की संयुक्त टीम ने 50 ग्राम स्मैक के साथ एक अभियुक्त को तथा मोतीपुर पुलिस ने नानपारा-लखीमपुर मार्ग पर गुरुवार को गायघाट पुल पर जांच के दौरान बाइक सवार को पकड़ा। बाइक पर 15 किलो गांजा लदा हुआ था। पुलिस ने स्मैक के अभियुक्त को तथा गांजा ले जा रहे व्यक्ति तथा प्रयुक्त बाइक सीज कर दिया है और दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध केस दर्ज कर जेल भेज दिया है। मोतीपुर के प्रभारी निरीक्षक ददन सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के ग्राम कसौजी सर्रा के पास पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने शरीफ पुत्र छोटकन निवासी नंदगांव कबडियनपुरवा दाखिली उमरिया थाना नवाबगंज के पास चेकिंग के दौरान 50 ग्राम नाजायज स्मैक बरामद किया गया तो वहीं दूसरी तरफ पुलिस मोतीपुर पुलिस बृहस्पतिवार को उप निरीक्षक अश्विनी कुमार पांडेय, अश्वनी कुमार पाण्डेय, हेड कांस्टेबल रविशंकर पाण्डेय, सिपाही रणजीत यादव, गौरव कुमार गौड़ की टीम नानपारा लखीमपुर मार्ग पर वाहनों की जांच कर रही थी राजमार्ग पर स्थित गायघाट पुल पर जांच के दौरान एक बाइक सवार को रोका तो जांच के दौरान बाइक के पीछे बोरी में 15 किलो गांजा बरामद किया गया दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक ददन सिंह ने बताया कि दूसरे अभियुक्त बाइक सवार की पहचान प्रमोद पाठक पुत्र गोपीनाथ पाठक निवासी माधवपुर थाना फखरपुर जनपद बहराइच हाल पता बाबागंज रामनगर रोड थाना रूपईडीहा के रूप में हुई है बाइक और गांजा को सीज कर दिया गया है।

पूर्व प्रधान की पुण्यतिथि पर बच्चो को वितरित किये गये उपहार

रामा देवी पब्लिक स्कूल मे विद्यालय संस्थापक की मनायी गयी पुण्य तिथि

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। रामादेवी पब्लिक स्कूल कैसरगंज में विद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय राम रूप यादव की पांचवी पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया ।इस सभा में पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रदीप यादव व अपूर्वा कारपोरेशन के डायरेक्टर अनिल यादव ने स्वर्गीय राम रूप यादव के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए तथा उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रदीप यादव ने कहा कि स्वर्गीय यादव आजीवन ग्राम प्रधान रहे तथा लोगों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहते थे ।सामाजिक कार्य हो या धार्मिक कार्य वे स्वयं उपस्थित रहकर उसमें बढ़-चढ़कर सहयोग करते थे ।आज पूरा परिवार उन्हीं के पद चिन्हों पर चलकर समाज सेवा में जुटा हुआ है ।अपूर्वा कारपोरेशन के डायरेक्टर अनिल यादव ने विद्यालय के सभी बच्चो को अपने हाथो से पुरूस्कृत किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस मौके पर प्रधान शिवपाल यादव, विजय मोहन यादव, सजीव यादव, मुकेश यादव ,मगन श्रीवास्तव, सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक व शिक्षक गण उपस्थित रहे।

सेवा ही एकमात्र साधना है, जो व्यर्थ नहीं जाती

- **प्रयागराज के कंबल वितरण कार्यक्रम में बोले अपर महा अधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी**

संवाददाता

प्रयागराज, दिव्यांगोत्थान श्रीराम सेवा न्यास की ओर से आज सोमवार को मेजा के जेवनियां गांव में विशाल कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। इसमें करीब 1500 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अपर महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी ने कहा कि यह एक व्यक्ति के भाव का मैसेज है जो हम सभी के मन में प्रकट होता है। उन्होंने कहा कि अभिषेक तिवारी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम एक मैसेज है सेवा का, सेवा व्यर्थ नहीं जाती। इस युग में सेवा ही एक मात्र साधना है। कहीं न कहीं यहां उपस्थित गणमान्य उपस्थित हैं निश्चित रूप से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हम सब सेवा से जुड़े हुए हैं। अध्यक्षता करते हुए उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और उप्र किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि ने समाजसेवी अभिषेक तिवारी और रूचि तिवारी के समाज सेवा के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हम लोगों को भी जो हो सके और जितना सक्षम हो सके जरूरत मंद लोगों की मदद करनी चाहिए। प्रसिद्ध कथावाचक पं अशोक हरिवंश, डॉ. एलएस ओझा और एसीपी मेजा विमल मिश्रा सहित अन्य लोगों ने गरीब महिलाओं व पुरुषों में बांटा गया। इस अवसर पर भाजपा नेता लक्ष्मी शंकर ओझा, मुन्नन शुक्ल, तुलसीदास तिवारी, भोला गौतम, पप्पू उपाध्याय, मनीष तिवारी, अमरेश तिवारी, रिंकू ओझा, राजू समदरिया, राहुल द्विवेदी, तनय पांडे, नितेश तिवारी, राजू पांडे, विकास तिवारी, शशांक द्विवेदी, शिवम मिश्रा, दिनकर मिश्रा, पुष्कर तिवारी, नीरज यादव, गौरव पांडे, पमपम पाण्डेय, रोहित पांडे, राहुल श्रीवास्तव दीपक गौड़, किशन तिवारी, प्रवीण तिवारी व हजारों की संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सम्मानित किए गए कंचन कान्वेंट स्कूल के हेड ब्वॉय कैप्टन व प्रीफेक्ट

डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर को भी किया गया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। स्थानीय कंचन कान्वेंट स्कूल में एक समारोह आयोजित कर विद्यालय के हेड बॉय, हेड गर्ल हेड, कैप्टन व प्रीफेक्ट को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें विद्यालय के प्रबंधक मनीष श्रीवास्तव व डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर अगम स्वरूप श्रीवास्तव ने प्रदान किया। समारोह को संबोधित करते हुए विद्यालय के डिप्टी डायरेक्टर इंजीनियर अगम स्वरूप ने बताया कि बेहतर प्रदर्शन करने के साथ साथ विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षिक गुणवत्ता में अपना योगदान देने वाले विद्यालय के हेड बॉय रितेश, हेड गर्ल वैष्णवी सोनी, सिद्धांत सिंह, प्रीफेक्ट सत्यम यादव व ऋषभ कौशल, श्री ओम, आकांक्षा श्रीवास्तव ,प्रियंका जायसवाल, रिद्धिमा शर्मा, अक्षरा, आयुष गुप्ता ,अरविंद पाल हिमांशु वर्मा, पार्थ शर्मा ,सचिन, शिवांश, करण, प्रथम ,मोहम्मद माज, को मेडल प्रदान किया गया है। इन सभी ने अपनी-अपनी कक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने के साथ-साथ विद्यालय की व्यवस्थाओं में भी अपना सहयोग दिया है ।उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबंध तंत्र इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है तथा इनके बेहतर भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता है ।इस मौके पर रंजीत सिंह, मोहम्मद माजिद, अबरार, मोहम्मद नसीब, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा, कृष्ण कुमार मौर्य, राम जी मिश्रा, पवन सिंह, उमाशंकर यादव, विजय मिश्रा ,शमी सहित सभी शिक्षक गण मौजूद रहे।

कतर्नियाघाट चेन लिंक फेंसिंग निर्माण में भ्रष्टाचार का हो रहा है विरोध

किसान वन विभाग द्वारा खेतों में चेन लिंक फेंसिंग कराने का लगा रहें हैं आरोप

ग्रामीणों में वन विभाग व कार्य दायी संस्था के खिलाफ बढ़ रहा गुस्सा

अमन लेखनी समाचार/मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। कतर्निया घाट वन्य जीव प्रभाग में हाथी तेंदुआ बाघ हिरण समेत विभिन्न प्रजाति के जीव जंतु रहते हैं। जंगल के आसपास रहने वाले लोगों के यहां हिंसक वन्य जीव पहुंचकर उन्हें घायल कर देते हैं और जान भी ले लेते हैं। हिंसक वन्यजीवों से ग्रामीणों की और ग्रामीणों से वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने जंगल के किनारे चेन लिंक फेंसिंग कार्य को मंजूरी दे दी पिछले महीने चेन लिंक फेंसिंग का कार्य शुरू हुआ लेकिन कार्य के शुरू होते ही विवाद उत्पन्न हो गए। विवादों के घेरे में घटिया सामग्री का इस्तेमाल तथा वन विभाग द्वारा ग्रामीणों के खेत में चेन लिंक फेंसिंग के कार्य को लेकर चल रहा है और यह विरोध लगातार जारी है । वन विभाग इस विरोध को कम कर पाने में पूरी तरह से विफल दिख रहा है। निर्माण कार्य में जहां मानक के अनुसार अच्छी ईंट से निर्माण होना है वही पीली ईंट का भी प्रयोग किया जा रहा है साथ ही चेन लिंक फेंसिंग के कार्य को वन विभाग की जमीन में ही निर्माण करना है लेकिन वन विभाग और निर्माण कार्य में लगी कायार्दारी संस्था ग्रामीणों के खेतों में चेन लिंक फेंसिंग का कार्य करवा रहे जिससे ग्रामीण आक्रोशित हैं। कई बार ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर कार्य को रुकवाया है तथा अन्य उच्च अधिकारियों को मामले को अवगत कराया है लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया है । यदि चेन लिंक फेंसिंग के कार्य में मानक के विपरीत कार्य होता रहेगा तो ग्रामीण आमने-सामने आते रहेंगे और कभी भी कोई बड़ा वाद विवाद ग्रामीणों और वन विभाग के बीच हो सकता है यह आशंका क्षेत्र के लोग भी जाता रहे हैं । गुरुवार को थाना सुजौली क्षेत्र के अंतर्गत नवसृजित राजस्व गांव नई बस्ती टेडिया में चेन लिंक फेंसिंग के कार्य को लेकर महिलाओं ने वन विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं का आरोप है कि वन विभाग ग्रामीणों के खेतों में चेन लिंक फेंसिंग का कार्य करवा कर उनके रास्ते को भी बंद कर रहा है जो गलत है और उनके अधिकारों का हनन हो रहा है। सैकड़ो की संख्या में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया और बताया कि यदि हमारी सुनवाई नहीं होगी तो हम जिला अधिकारी के साथ ही मुख्यमंत्री से मुलाकात कर वन विभाग की शिकायत करेंगे। इस मौके पर काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।इस संबंध में जब कतर्नियाघाट के प्रभारी डीएफओ टी रंगा राजू के सीयूजी नंबर पर फोन किया गया तो घंटी बजती रही लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ।

प्रियंका श्रीवास्तव ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, संस्कृति मंत्री ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। नगर पंचायत मिहींपुरवा निवासी मदनलाल श्रीवास्तव की पुत्री प्रियंका श्रीवास्तव ने भारत खंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के उपलक्ष में आयोजित तीन दिवसीय दीक्षोत्सव में देशभक्ति गायन में बेहतर प्रदर्शन किया। बेहतर प्रदर्शन करने के पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रियंका को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ज्ञात हो कि भारत खंडे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ से ही प्रियंका श्रीवास्तव ने संगीत कला की शिक्षा हासिल की है । प्रियंका श्रीवास्तव के सम्मानित होने पर उनके पिता मदनलाल श्रीवास्तव सहित अन्य परिजनों एवं प्रशंसकों ने उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी है। प्रियंका के पिता मदनलाल श्रीवास्तव ने बताया कि

बिटिया के बेहतर प्रदर्शन से संस्कृति मंत्री ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है । बिटिया के सम्मान से पूरा परिवार गौरवान्वित है।

ब्लॉक प्रमुख व ब्लॉक प्रशासन ने दिखाई दरिया दिली

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। ब्लॉक प्रमुख कैसरगंज संदीप सिंह विशेन के निर्देश पर ब्लॉक प्रशासन द्वारा विकलांग उमेश पुत्र सिया राम निवासी कमीया पुर बिशवा जनपद सीतापुर को ब्लॉक की ओर से ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गई। ट्राई साइकिल पाकर विकलांग व्यक्ति का चेहरा खिल उठा। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति जो रैन बसेरा कैसरगंज में रात्रि को रुका हुआ था रात्रि में चोरों द्वारा उसकी ट्राई साइकिल चोरी कर ली गई। पीड़ित व्यक्ति किसी माध्यम से ब्लॉक प्रमुख के पास पहुंचा तो ब्लॉक प्रमुख द्वारा दरियादिली दिखाते हुए तुरंत ब्लॉक प्रशासन को उसकी सहायता हेतु निर्देशित किया। ब्लॉक प्रमुख के इस कार्य से क्षेत्र में उनकी प्रशंसा हो रही है। ब्लॉक प्रमुख कैसरगंज ने बताया कि मेरा जीवन जन सामान्य को समर्पित है मैं पद पर रहूं या ना रहूं जन सामान्य की सेवा करता रहूंगा।

मिल्कीपुर में अज्ञात कारणों से लगी आग

- **सात परिवारों गृहस्थी जलकर राख, ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड के सहयोग से आग पर पाया काबू**

अमन लेखनी समाचार

मिल्कीपुर, मिल्कीपुर तहसील अंतर्गत थाना खंडासा क्षेत्र के घटौली पूरे लुटई शुक्ल गांव में रोहित कुमार के घर से लगी भीषण आग से सात परिवारों की घर गृहस्थी जलकर पूरी तरह राख हो गई। पीड़ित परिवारों की गुहार लगाने पर मौके पर पहुंचे बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने आग बुझाने में जुट गए थे। लेकिन हवा होने के चलते आग इतनी भीषण हो गई कि देखते ही देखते अन्य घरों को आग ने अपने आगोश में लेना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने समझ लिया कि आग पर काबू पाना बहुत मुश्किल है तो ग्रामीण ने अग्निकांड की सूचना फायर ब्रिगेड मिल्कीपुर को दी। जानकारी मिलते ही लीडिंग फायरमैन राम प्रसाद पाण्डेय, प्रशांत दीक्षित, सत्यम सक्सेना अग्निशामक वाहन के साथ मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से आग बुझाने में जुट गए। लेकिन जब तक आग पर काबू पाया गया तब तक शिवलाल, जगजीवन, मोहनलाल, जगदेव, मनोज कुमार, सीमा सहित सात लोगों के घर गृहस्थी जलकर राख हो गई। लीडिंग फायरमैन रामप्र साद पाण्डेय ने बताया कि यदि समय से ग्रामीणों द्वारा सूचना आग लगने की दे दी गई होती तो शायद इतनी मकान जलने से बच जाते।

बांदा में 109 कुंडीय राम महायज्ञ की निकाली यात्रा

संतों ने दिखाए करतब, यात्रा में बुलडोजर भी रहा शामिल

अमन लेखनी समाचार

बांदा, बांदा में 109 कुंडीय राम महायज्ञ की यात्रा निकाली गई। जिसमें यात्रा के दौरान लोगों में उत्साह देखने को मिला। यह यात्रा बुलडोजर में निकाली गई है। जिसे देख कर हर कोई हैरान रह गया। बुलडोजर के द्वारा कलश यात्रा निकालने पर लोगों में उत्साह देखने को मिला है। यह बुलडोजर यात्रा निकलने का उद्देश्य सनातन विरोधियों पर हैं। हम सनातन के विरोध में बोलने वाले अराजक तत्वों के लिए बुलडोजर लेकर आए हैं। यह आयोजन 18 दिसंबर से 26 दिसंबर तक चलेगा। जिसमें कई साधु संत शामिल होंगे। बांदा के पैलानी तहसील क्षेत्र अंतर्गत राम भक्तों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला है। जहां पर भक्तों ने बताया कि सनातन को खत्म करने या विरोध करने के लिए जो भी आगे होगा। उन्हें मिटाने के लिए यह बुलडोजर ही काफी है। वहीं 109 कुंडिया राम यज्ञ कलश यात्रा में संतों ने भाग लिया। अनेक को प्रकार के कर्तव्य दिखाएं हैं। वहीं कलश यात्रा में जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद भी मौजूद रहे। यह आयोजन 18 दिसंबर से 26 दिसंबर तक चलेगा।

महिलाएं आगे बढ़कर कर रही हैं अपने हक व अधिकारों की मांग

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। अपराजिता सामाजिक समिति के सहयोग से ग्रामीण महिला सशक्तिकरण अभियान कैसरगंज के 5 ग्राम पंचायत परसेंडी, सराय कनहर, भखरौली कनपुरवा ,सिदरखी , भखरौलीमुंगेशपुर में चला रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओ को सरकार द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाएं जैसे- मनरेगा कन्या सुमंगला, राशन कार्ड, जननी सुरक्षा योजना, बिल्डिंग एंड अन्य कंस्ट्रक्शन वर्कर, आवास योजना, पेंशन योजनाएं आदि से जोड़कर शसक्त बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत लगभग हजारों परिवार लाभान्वित होंगे। सिदरखी नई किरण नारी संघ की अगुवाकारों ने नरेगा से संबंधित 256 परिवारों की सूची प्रधान प्रतिनिधि राघवेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेटर को सौंपी जिनको काम की जरूरत है, प्रधानप्रतिनिधि ने मांग पत्र पर हस्ताक्षर कर जल्द से जल्द डिमांड लगाने का आश्वासन दिया और नारी संघ को और भी कल्याणकारी योजनाओं के पात्र लाभार्थियों की सही सूची उन तक पहुंचाने की मांग की जिसमे अपराजिता को पात्र लाभार्थियों को चिन्हित करने में सहयोग करने की बात रखी। प्रधान प्रतिनिधि राघवेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि इस सूची में बहुत सारे लोगों का डिमांड जा चुका है। परियोजना समन्वयक अर्पिता सिंह ने उपस्थित स्टेकहोल्डर्स से नारी संघ से जुड़े परिवारों को कल्याणकारी योजनाओं में आ रही दिक्कतों को भी साझा किया। बीआरपी जितेंद्र ने ऑनलाइन आवेदन कैंप लगाकर शौचालय आवेदन किया और आवास योजना पर भी जानकारी ली। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि सिदरखी, ग्राम रोजगार सेवक मयंकर सिंह, वार्ड मेंबर सौरभ सिंह, नारी संघ अगुवाकर सुमन, राजकुमारी, सुनीता, अपराजिता से अर्पिता, नमन, सोनी, जितेंद्र आदि मौजूद रहें।

संक्षेप

सचिन चौधरी का राजपत्रित आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के पद पर चयन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा तहसील अंतर्गत क्षेत्र स्थित के ग्राम पंचायत कोडरा निवासी सचिन चौधरी पुत्र स्व राधेश्याम चौधरी का चयन राजपत्रित आयुर्वेद चिकित्साधिकारी के पद पर हुआ है। इसके पूर्व यह गोरखनाथ अपस्ताल में चिकित्सक थे। तथा पत्नी शिक्षिका है। इन्होंने इस सफलता का श्रेय अपने माता, और दादी को दिया। चयन होने पर परमात्मा मौर्य, प्रशांत साहनी, देवव्रत, अनिल, अमित ने बधाई दी है।

वन दरोगा के साथ दुर्व्यवहार करने वाले आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

गोरखपुर। सहजनवा रेंज में तैनात वन दरोगा को जांच के दौरान फोन पर गाली गलौज, मारने पीटने की धमकी देने तथा सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने वाले आरोपी के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी से आशुतोष कुमार तिवारी जो सहजनवा रेंज में वन दरोगा के पद पर तैनात है। जान सुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायत के निस्तारण कराने के लिए दर्ज मोबाइल नंबर पर फोन किया। फोन उठाते ही आरोपी जूता से मारने पीटने गाली गलौज करने लगा। जिससे सरकारी कार्य प्रभावित हुआ। पुलिस ने वन दरोगा की शिकायत पर आरोपी कौशल त्रिपाठी निवासी सहबाजगंज थाना सहजनवा के खिलाफ मारने पीटने जान से मारने की धमकी देने और सरकारी कार्य में बांधा पहुंचाने का केस दर्ज कर लिया है।

रोजगार सेवकों ने मांगो को लेकर बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर। सहजनवा ब्लाक के रोजगार सेवकों ने अपनी मांगों को लेकर मनरेगा, कर्मचारी एकता संघर्ष समिति के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर अपनी मांगों को लेकर ब्लाक अध्यक्ष अखिलेश राय के नेतृत्व में बीड़ीओ सहजनवां को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग किया गया है की मानदेय में वृद्धि किया जाय। तथा रोजगार सेवकों को नियमित किया जाय। यदि मांगो को नही माना गया तो रोजगार सेवक 27 दिसंबर को लखनऊ में आंदोलन करेंगे। ज्ञापन सौंपने वालो में अजीत सिंह, शोभावती, महेंद्र, रविंद्र त्रिपाठी, जयराम, विनोद कुमार यादव, जनार्दन सिंह, दीपक कुमार, किरन शुक्ला, इंद्रावती, मंजू यादव, महेंद्र यादव नीलम यादव शीत अनेक रोजगार सेवक मौजूद थे।

डोहरिया कला में विकसित भारत संकल्प यात्रा का हुआ आयोजन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली ब्लॉक क्षेत्र स्थित के डोहरिया कला में ब्लॉक प्रमुख शशी प्रताप के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूरे देश में चलाए जा रहे विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप शुक्ल रहे। क्रायक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप शुक्ल ने कहा कि हम सबको अपने प्रधानमंत्री पर गर्व है। कि जिन्होंने देश को एक विकसित भारत के रूप में पूरे विश्व के पटल पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं। अब वह दिन दूर नहीं है। जब देश विश्व के पटल पर एक विकसित राष्ट्र के रूप में जाना जायेगा। जिससे सभी देश वासी अपने आप पर गर्व महसूस कर रहा है। कार्यक्रम को ब्लॉक प्रमुख शशी प्रताप ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी और मुख्यमंत्री योगी जी द्वारा गरीबों को मुफ्त में दी जाने वाली योजनाओं से उनके जीने का सहारा मिल गया। जिससे लोग चाहे आयुष्मान कार्ड, उज्व्वला योजना से गैस सिलेंडर किसान सम्मान निधि, और बिना छत के लोगो को आवास देकर सभी गरीबों को योजना का लाभ दिया है। जो इस नगर पंचायत में आज मोदी सरकार के गारंटी योजना की गाड़ी आज आकार सरकार की उपलब्धियां बता रही हैं। कार्यक्रम में उज्व्वला योजना के लाभार। आयुष्मान योजना के लाभार्थी मिठाई लाल ने लाभ से अपने खुशहाली के बारे में बताया। आवास योजना के लाभार्थी रामनेवास ने मंच से पीएम आवास पाने पर अपनी खुशहाली व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, पोस्ट आफिस, आयुष्मान कार्ड सहित आदि विभागो के स्टाल लगाकर लोगो क कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष शिवचरण प्रसाद, कार्यक्रम संयोजक इं रमेंद्र मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य राम बुझारत पासी, प्रधान राम सिंह, प्रधान विश्वजीत सिंह, नागेंद्र सिंह, राजू पांडे, विजय मिश्रा, बूथ अध्यक्ष रमेश पांडे, वीडियो बृजेश यादव, गौरव चौधरी ध्रुव कुशवाहा, धर्मेंद्र कुमार, अरविंद कुमार, धनेंद्र सिंह सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्मोत्सव पर भाव विभोर हुए भक्तगण

अमन लखनी समाचार

अमेठी,। जगदीशपुर विकासखण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत साप्ताहिक श्रीमद्भागवत पुराण कथा का आयोजन लोकतंत्र सेनानी स्व० बाबूलाल यादव की कर्मभूमि ग्राम पूरे महंगू कमरौली मुसाफिरखाना अमेठी के स्थान पंचमुखी हुनमान मांन्दिर, हनुमानगंज में 18 दिसम्बर से स्व० रामसनेही यादव स्थान हुनुमान मंन्दिर व समस्त ग्रामीण वासियों के सौजन्य से गत बर्षो की भॉति इस वर्ष भी आयोजित किया जा २हा है। जिसमें कथावाचक पं० रमेश दास जी महराज ग्राम भूलामऊ पो० उमापुर जिला अयोध्या के मधुर मधुर मुखारविन्द व साज सर्जन संगीतमई के साथ भक्तगणों को भागवत कथा का अश्वण कर रसपान कराते है। कथा को सुनने काफी दूर दराज से भक्तगण रसपान का आनंद लेते है। कथा के पॉचवे दिवस के दिन भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया जायगा। जिसमें झॉकी देखकर श्रोता गण भोर विभोर हो जाते है। भक्तगणों में रामधीरज यादव, जगदीश यादव, हंसराज यादव, अमित यादव, संन्तराम यादव, तेज बहादुर यादव, पंकज यादव, पत्रकार श्याम बहादुर यादव राज्य मान्यता प्राप्त डी० ए०टी० न्यूज ब्यूरो चीफ अमेठी, मनोज कुमार तिवारी शिवम यादव, रामधीरज यादव ,अशीष यादव, शिका री काका, रिन्कू यादव, मुलायम यादव, रिंकू यादव विनोद यादव, राम सिंह यादव, संदीप यादव, प्रेम यादव, मनमोहन, राजूयादव, अनिल यादव, अंशू यादव, गोलू, वेद प्रताप यादव, कृष्णा यादव, आदित्य यादव, मचोले, दत्तात्रैय यादव, बंश राज यादव, राकेश यादव, सहित गॉव के समस्त महिला एवं पूरूष गण मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ट्राली को डंफर ने मारी टक्कर, तीन की मौत

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर सहजनवां रहीमाबाद सरैया के पास हाइवे पर गुरुवार को भोर में सरिया लदी ट्रैक्टर ट्राली को डंफर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। मौके पर ही ट्रैक्टर चालक समेत दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल कर युवक को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। रास्ते में मौत हो गई। गीडा सेक्टर 23 स्थित सरिया फैक्ट्रियों से हर रोज गाड़ियां निकलती हैं। गुरुवार को भोर में फैक्ट्री से सरिया लाद कर सहजनवां थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड नंबर दो गाहासाड़ निवासी 55 वर्षीय सुभाष पुत्र रामनाथ ट्रैक्टर ट्राली लेकर मगहर के तरफ जाने के लिए निकले थे। अभी वह हाइवे के रहीमाबाद सरैया पर पहुंचे ही थे कि मिट्टी लदी डंफर से पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर ट्राली पर सवार लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से पुलिस घायलों को निकाल कर अस्पताल लेकर पहुंची, जहां सुभाष और बसिया निवासी 32 वर्षीय राजदेव पुत्र जोखू को मृत घोषित कर दिया गया। वह अपने ससुराल गहासाड में रहता था। गंभीर रूप से घायल 35 वर्षीय पिंटू पुत्र तप्सी निवासी गाहासाड़ को इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। रास्ते में इसकी भी मौत हो गई। दुर्घटना के दौरान डंफर चालक भी उसी में फंस गया, जिसे लोगों ने बाहर निकाला लेकिन मौके मिलते ही भीड़ का फायदा उठाते हुए फरार हो गया है। एसओ इत्यानंद पांडेय ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है, अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। गाड़ियों को हाइवे से हटा कर आवागमन संचालित किया जा रहा है। वही पुलिस ने डंफर को कब्जे में ले लिया है।

लेफटिनेंट कर्नल एवं लेफटिनेंट कर्नल ने डॉ सुनील कुमार मिश्र के साथ किया

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत गीडा थाना क्षेत्र स्थित के इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड कंपनी में आज दोपहर में लेफ्टिनेंट कर्नल कमलेश मिश्र एवं लेफ्टिनेंट कर्नल वंदना शुक्ला ने पहुंचकर वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन एवं जनसपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्र के साथ उतपादन एरिया का भ्रमण किया और वहां पर कंपनी द्वारा लगाए गए अत्याधुनिक उपकरणों तथा कंपनी के ब्रांड को भी देखा। डॉ सुनील कुमार मिश्र ने बताया की बिजनेस हेड एस के शुक्ल के नेतृत्व में कंपनी द्वारा वर्ष २०१७ से महिलाओं को नियुक्त किया गया है जो की तेजी से कार्य सम्पादित कर रही है। इसके साथ ही बताया की बिजनेस हेड के नेतृत्व में कंपनी द्वारा क्षेत्र में सीएसआर के तहत विभिन्न परियोजनाओं पर भी कार्य चल रहा है। इसके साथ लेफ्टिनेनेट कर्नल मनमोहन मिश्र ने कंपनी के ब्रांड और मशीनों तथा कार्यरत महिला श्रमिकों की प्रसंसा किया, और कहा की निसंदेह बिजनेस हेड एस के शुक्ल की दूरदर्शिता एवं साकारात्मकता की तारीफ करते हुए कहा की बिना महिलाओं के भागीदारी के आज सभ्य सामाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती ना ही समाज में परिवर्तन लाया जा सकता है, तथा पूर्वांचल की महिलाओं को पहली बार आईजीएल ने घरों से बाहर निकाल कर जॉब दिया है इसके लिए बिजनेस हेड एस के शुक्ल के नेतृत्व में हुए इस अद्भुत कार्य को अभिनंदनीय बताया। इसके साथ ही उन्होंने प्लांट हेड शैलेन्द्र पांडेय की भी सराहना किया। इसके साथ ही उन्होंने सीएसआर पत्रिका का भी अवलोकन किया। इसके उपरांत सहायक प्रबंधक प्रशासन ने परम्परागत तरीके से दोनो सैन्य अधिकारियो का स्वागत किया, और प्लांट के बारे में ब्रीफ किया। इस दौरान सेवानिवृत कैप्टन ओपी मिश्र भी मौजूद रहे। डॉ सुनील कुमार मिश्र ने बताया की वर्ष २०२२-२३ में सर्वाधिक बिकने वाले ब्रांड के तौर पर आईजीएल के उत्पाद को आईबीआर द्वारा दर्ज किया गया है।

स्वयंसेवी संस्था कैरिटॉस इंडिया ने मनाया दिव्यांग दिवस

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। स्वयं सेवी संस्था कैरिटॉस इंडिया के द्वारा गोरखपुर में दिव्यांग दिवस पूर्वांचल ग्रामीण सेवा संस्थान पीजीएसएस पादरी बाजार गोरखपुर के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ उमेश चंद किरण डीडीआरसी गोरखपुर, विशिष्ट अतिथि रविकांत पांडेय प्रवक्ता दिव्यांग विभाग गोरखपुर, संजय कुमार सीआरसी गोरखपुर, डॉ शशी शेखर पी जी एस एस गोरखपुर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि श्री किरण ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगजनों को समाज के मुख्य धारा में जोड़ने के लिए स्वयंसेवी संगठनों का बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिसमें गोरखपुर जनपद के कैरीटॉस इंडिया जो आज ग्रामीण अंचल के सभी ब्लॉको पर दिव्यांग जगरूकता कार्यक्रम करते हुए जनपद स्तर पर समापन कर रहा है। इसके लिए कैरिटास इंडिया परिवार के डॉ शैलेश सिंह नवनीत जायसवाल, अलका श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार और पिंकी जैसे दिव्यांग स्वयंसेवक की भूमिका बहुत ही सराहनीय रही है और जनपद में समयानुसार दिव्यांग जनों के लिए ऐसे कार्यक्रम कर दिव्यांग जनों को समाज के मुख्य धारा में जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों एवं दिव्यांग जनों द्वारा संगीत नृत्य का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर प्रतिभागी दिव्यांगजनों को साल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राम प्यारे, उमेश गुप्ता ,शशिकला, विकेश कुमार सहित अन्य लोगों का विशेष सहयोग रहा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु, श्रम बन्धु एवं औद्योगिक व्यापारिक सुरक्षा फोरम की बैठक हुई

उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए जिलाधिकारी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। जिलाधिकारी राकेश कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु, श्रम बन्धु एवं औद्योगिक/व्यापारिक सुरक्षा फोरम की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम श्रम बन्धु की समीक्षा करते हुए उपस्थित उद्यमियों/व्यापारियों को श्रम विभाग में शत-प्रतिशत पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों का भी पंजीकरण कराने को कहा। बैठक में जिलाधिकारी ने सहायक श्रमायुक्त को श्रमिकों का पंजीकरण कराने के साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की श्रमिकों को जानकारी देने एवं उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में उद्योग व्यापार मेमोरेण्डम की समीक्षा, एक जनपद एक उत्पाद/मूंज क्राफ्ट के अन्तर्गत वित्त पोषण हेतु सहायता योजना संचालित किये जाने की स्वीकृति तथा विद्युत भार स्वीकृति एवं ऊर्जीकरण पर विचार, पूंजी निवेश, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, सीएसआर के अंतर्गत विभिन्न इकाइयों से प्राप्त प्रस्ताव की सहमति पर विचार सहित औद्योगिक संगठनों/उद्यमियों की सुरक्षा व्यवस्था तथा प्राप्त शिकायतों का निस्तारण के संबंध में समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योग बन्धु एवं औद्योगिक/व्यापारी बन्धु की समस्याओं का निराकरण सम्बन्धित अधिकारी प्राथमिकता के साथ करें और व्यापिरक सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिये जाये। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि उद्यम स्थापना में कोई समस्या आ रही हो तो समिति को अवगत करायें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि व्यापारी बन्धुओं की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जाए। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र दिनेश कुमार चौरसिया ने करते हुए गत बैठक की कार्यवाही सहित बैठक के एजेण्डा बिन्दुओं को समिति के समक्ष रखा तथा बैठक के अन्त में उपस्थित सभी के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र सिंह, खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी महेन्द्र मिश्रा, एलडीएम, अधिशासी अभियंता यूपीएसआईडीसी सहित अन्य संबंधित अधिकारी व उद्यमी उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के स्टे के बावजूद दबंगों द्वारा किया जा रहा जबरन निर्माण

अमन लेखनी समाचार

जगदीशपुर, अमेठी। न्यायालय द्वारा स्टे की गई भूमि पर पीड़ित की वाद भूमि पर विपक्ष ने प्रधान के साथ प्रशासन से मिली भगत कर जबरन निर्माण कार्य शुरू कर दिया। दूसरे पक्ष ने विरोध किया तो आरोपी मारपीट पर उतारू हो गए। जिससे पीड़ित को अटैक का दौरा पड़ा और वह लखनऊ अस्पताल में इलाज करवा रहा है वहीं पीड़ित के पुत्र ने विपक्ष पर पुलिस प्रशासन के साथ मिलीभगत का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कारवाई किए जाने की मांग की है। दरअसल पूरा मामला जगदीशपुर थाना क्षेत्र के सलाबत गढ़ गांव की है। जहां के निवासी शरीफ अहमद का गांव के ही जईक अहमद से सुल्तानपुर कोर्ट में भूमि वाद संख्या 012/2017 का मुकदमा चल रहा है। हाईकोर्ट ने इस विवादित भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश कर रखे हैं। जिसकी अगली सुनवाई की तारीख 25 जनवरी 2024 को है। इस भूमि पर दूसरे पक्ष जईक अहमद ने बृहस्पतिवार को इस जमीन पर निर्माण कार्य शुरू करा दिया। जब इस सूचना पर पीड़ित शरीफ अहमद पहुंचा और निर्माण कार्य बंद करने को कहा तो आरोपी पक्ष मारपीट पर उतारू हो गया। और उनको धक्का देकर गिरा दिया जिसके बाद डर के मारे सदमे में आ गया और उनके पुत्र जकी ने उन्हें लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनका इलाज चल रहा है।

धान क्रय केंद्र का उपजिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। उपजिलाधिकारी मुसाफिरखाना सविता यादव ने बुधवार को धान क्रय केंद्र पिण्डारा का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित केंद्र प्रभारी को किसानों से समन्वय बनाकर अधिक से अधिक धान खरीद करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि केंद्र पर किसानों को इंतजार ना करना पड़े जिसको जिस दिन का टोकन दिया गया हो उसी दिन खरीद की जाए किसी भी हालत में क्रय केंद्रों पर किसानों को कोई परेशानी न होने पाए खरीद के उपरांत भुगतान की कार्यवाही भी समयांतर्गत सुनिश्चित की जाए इसके साथ ही उन्होंने अभी तक जो धान खरीदा गया है उसे संबंधित मिलों पर भिजवाने के निर्देश केंद्र प्रभारी को दिए।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े के वाहनों में लगाये गये रेट्रो रिफ्लेक्टिंग टेप ,49 वाहनों के हुए चालान

अमन लेखनी समाचार

जगदीशपुर, अमेठी। द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत बृहस्पतिवार को वाहनों की चेकिंग और उनपर रेट्रो रिफ्लेक्टिंग टेप लगाए गए। संभागीय परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा वाहनों की चेकिंग कर चार दर्जन से ज्यादा वाहनों का चालान किया गया। द्वितीय सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत मनोज कुमार शुक्ला यात्री माल कर अधिकारी द्वारा वाहनों में विशेषकर ट्रैक्टर-ट्रालियों में रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान के अन्तर्गत इन्हौना कमरौली जगदीशपुर थाना क्षेत्रों में ब्लक स्पॉट्स पर जाकर कुल दर्जनों वाहनों में रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगाए गए। वाहन चालकों को शीत ऋतु में सुरक्षा के दृष्टिगत अपने वाहनों में रेट्रो-रिफ्लेक्टिव लगाकर ही वाहन को संचालित किया गया। साथ ही उन्हें सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों का पालन किये जाने हेतु सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप के संचालित वाहनों के विरूद्ध चेकिंग अभियान के दौरान बिना रेट्रो-रिफ्लेक्टिव टेप लगे वाहनों के विरूद्ध चालान की कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त सड़क सुरक्षा के अन्य अभियोंगों के अन्तर्गत 10 रॉन्ग साइड के चालान, ट्रिपलिंग व बिना हेलमेट के अभियोग में 03 चालान, ओवरलोड के अभियोग में 09 चालान कर दर्जनों वाहन जब्त की कार्रवाई, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के चालान, बिना फिटनेस डीएल के अभियोग में 1 आटो का चालान नो पार्किंग अभियोग मे 3 ट्रकों का चालान समेत कुल 49 चालान किए गए।

पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में उपनिरीक्षाक देवेन्द्र सिंह चौहान थाना मुसाफिरखाना मय हमराही द्वारा देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 190/23 धारा 406,419, 420, 467,468,471 भादवि में वांछित एक नफर अभियुक्त दिनेश मिश्र पुत्र धनीपाल मिश्र उम्र करीब 50 वर्ष व 01 नफर अभियुक्ता सपना मिश्र पत्नी दिनेश मिश्र उम्र करीब 35 वर्ष निवासीगण ग्राम पूरे पण्डा मजरा रंजीतपुर थाना मुसाफिरखाना जनपद अमेठी को अभियुक्तगण के घर से गिरफ्तार किया गया । थाना मुसाफिरखाना पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

फंदे से लटकता मिला नवविवाहिता का शव, हत्या का आरोप

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। जनपद के थाना जामों के एक गांव में कमरे की छत में लगे हुक में दुपट्टे के सहारे नवविवाहिता का शव लटकते हुए मिला। जबकि उसी कमरे में उसका पति भी सोया था। मायके वालों का आरोप है कि पहले उसे जान से मारा गया है, बाद में उसे दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटकाया गया है। हालांकि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है।

गुरुवार की सुबह राजकुमारी पत्नी कृष्ण सरोज (25) निवासी ग्राम रानीपुर मजरे कटारी का फांसी के फंदे पर लटकता हुआ शव मिला। परिजनों ने बताया कि रात्रि में हम सब लोग हंसी खुशी के साथ खाना खाया। उसके बाद राजकुमारी अपने पति कृष्ण कुमार के साथ कमरे में सोने चली गई थी।

सुबह देर तक नहीं उठे थे तो मृतक की सास ने कमरे का दरवाजा खोलकर देखा तो आंखे दंग रह गई। बहू का पंखे के हुक में दुपट्टा के सहारे फांसी के फंदे से लटकता शव देखकर आंखे फटी की फटी रह गई। उसी कमरे में सो रहे बेटे कृष्ण कुमार को नींद से जगाया। नींद से जागे कृष्ण कुमार ने पत्नी को फांसी के फंदे पर लटकता देख वह भी दंग रह गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामे के बाद पीएम के लिए भेज दिया। वहीं ससुराल पक्ष वालों में बताया कि कृष्ण सरोज लुधियाना शहर में रहता है। अभी तीन दिन पहले वह घर आया था। बुधवार को अपनी पत्नी को कस्बा जामों बाजार में समान की खरीददारी के लिए साथ में ले गया था।

कृष्ण कुमार की शादी हिंदू रीति रिवाज से 5 वर्ष पहले बड़े धूमधाम से कपूर चंद सरोज की बेटी राजकुमारी से हुई थी। मृतक के मायके वालों की माने तो ससुराल वाले दो पहिया गाड़ी की मांग कर रहे रहे थे। उनकी मांग पूरी न होने पर उसकी बेटी को फांसी के फंदे से लटकाकर जान से मार दिया।

संस्था प्रबंधक पी के तिवारी को सीएमओ डॉ अंशुमान सिंह ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

अमेठी, अपनी निस्वार्थ भावना एवं कुशल कार्यशैली से समाज में अपनी एक अलग पहिंचान बनाने वाले एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे ग्राम पंचायत भटमऊ बाजार शुक्ल अमेठी निवासी समाजसेवी एवं कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजिस्टर्ड के प्रबंधक पी के तिवारी जो कि यथासंभव सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेल, शिक्षा, कृषि एवं चिकित्सा संबंधी सेवाओं में उत्कृष्ट योगदान देते रहते हैं और प्रबुद्धजनों से मुलाकात कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त करते रहते हैं जिससे समाज का प्रत्येक वर्ग उन्हे सम्मानित दृष्टि से देखता है वहीं उसी क्रम मे मुख्य चिकित्साधिकारी अमेठी डा अंशुमान सिंह ने संस्था प्रबंधक समाजसेवी पी के तिवारी की निस्वार्थ भावना एवं कुशल कार्यशैली से संस्था कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान रजिस्टर्ड द्वारा चिकित्सा संबंधी सेवाओं मे उत्कृष्ट योगदान देने हेतु समाजसेवी पी के तिवारी को मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की बताते चलें कि समाजसेवी ने कोरोना काल में उत्कृष्ट योगदान दिया था जिससे प्रेरित होकर तत्कालीन मुख्य चिकित्साधिकारी अमेठी डा आशुतोष कुमार दूबे सहित कई अधिकारियों एवं प्रबुद्धजनों ने उन्हे कोरोना योद्धा सम्मान पत्र भेंटकर सम्मानित किया था तभी से समाजसेवी पी के तिवारी समाज के प्रति समर्पित रहते हैं संचारी रोगों से बचाव हेतु विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता रैलियां निकाली गई,गांव गांव पहुंचकर पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए जन जागरूकता अभियान,आयुष्मान कार्ड बनवाना, चिकित्सकों को सम्मानित करना,स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित करना ,स्वच्छता अभियान इत्यादि संस्था द्वारा प्रमुख कार्यो मे शामिल हैं वहीं सम्मान पाकर संस्था प्रबंधक पी के तिवारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी डा अंशुमान सिंह का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था के लिए गौरवपूर्ण पल है और संस्था समाज के प्रति समर्पित रहेगी।

एचपी सखियों को रोजगार प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

लखनऊ से आई टीम ने नए मानक के कार्यालय का किया उदघाटन

अमन लेखनी सामाचार

ललितपुर। ललितपुर जिला में हिन्दूस्तान पैट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के उप-महाप्रबंधक बिप्लाव कुमार मंडल द्वारा कम्पनी के स्थापना के पचासवें वर्ष गाँठ मानते हुए ललितपुर जिले के रजवारा गाँव मुख्य सड़क स्थित बने राठौर एचपी गैस ग्रामीण वितरक के नए मानको में अनुसार बने शोरूम का उद्घाटन किया गया उप प्रबंधक द्वारा बताया गया ज़िले में एचपी गैस से कुल सात वितरक वितरक है श्री मंडल ने जिला के सभी एचपी गैस वितरकों से नए मानक अनुसार अपने शोरूम को अपग्रेड करने की अपील की इस दौरान कंपनी द्वारा गांव गांव में बनाई गई क्षेत्र की 35 एचपी सखियों महिलाओं रोजगार-पत्र देकर सम्मानित किया गया गाँव-गाँव में बनाई गई एचपी सखिओं द्वारा सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं को आशा बहुओं के साथ गैस के बारे मैं जानकारी देकर समय समय पर मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जागरूक करना वही उनके रोजगार में सखी के पास गांव में ही गैस सिलेंडर का स्टाक कर लाभार्थी अपने ही गैस ले सकेंगे उज्जवला योजना के एचपी गैस उपभोक्ताओं को एलपीजी संबंधित सभी सुविधाएँ प्रदान की जा सके साथ ही गैस वितरकों को शेष सभी ग्राम पंचायतों में एचपी सखी जोड़ने के निर्देश दिये प्रदेश में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही सिलिंडर की मुफ़्त रीफि ल स्कीम का लाभ देने हेतु सभी उज्जवला ग्राहकों का ई के वाई सी करना अनिवार्य है इसी संबंध में श्री मंडल द्वारा ज़िले के सभी एलपीजी उपभोगताओं को आधार प्रमाणित करने के निर्देश दिये क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक गुरदीप सिंह चावला में बताया कि ई के वाई सी प्रक्रिया को आसान बनाने हेतु हिन्दूस्तान पेट्रोलियम द्वारा विटारा एक्ससपी मोबाइल ऐप बनाई गई है जिससे गैस एजेंसी का हर कर्मचारी अपने मोबाइल से एलपीजी ग्राहकों का ई केवाईसी कर सकता है ।जल्द ही यह सुविधा गैस एजेंसी से जुड़े सभी सीएससी केंद्र पर दी जाएगी, जिससे ग्राहक अपने गाँव से सीएससी केंद्र पर भी ई के वाई सी करवा सके और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही साल की दो मुफ़्त रीफि ल स्कीम का दिवाली नवंबर से दिसंबर एवं होली (जनवरी से मार्च) पर लाभ ले सके इस मौके पर ललितपुर के गैस वितरक के स्टाफ को प्रशिक्षण दिया गया एवं उनको सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम मे विप्लव मंडल उप महाप्रबंधक एचपीसीएल लखनऊ, गुरदीप सिंह चावला जीक्षेत्रीय बिक्री प्रबंधकझांसी।प्रबंधक राठौर एचपी गैस विजय राठौर सचिन राठौर कपिल पटेरिया इमरान खान अभिलाष वर्मा बृजेश रजक मनीष चतुवेर्दी विवेक तिवारी प्राण सिंह अजीत सिंह सुनील कुशवाहा नेहा राय आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

अमन लेखनी समाचार

मीरजापुर - जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बन्धु की बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि निवेश मित्र योजनान्र्तगत प्राप्त प्रार्थना पत्रो को जिस भी विभाग के पास उद्योग विभाग के द्वारा प्रेषित किया जाय वह विभाग प्राथमिता के आधार पर निस्तारण कर आख्या ससमय उपायुक्त उद्योग कार्यालय में भेज दिया जाय ताकि उद्यमियो को अनायाश इधर उधर भटकना न पड़े।इसी प्रकार उद्योग विभाग द्वारा संचालित पी0एम0ई0जी0पी0, एम0वाई0 एस0वाई0 तथा ओ0पी0डी0 कालीन/ पीतल योजना की भी प्रगति की समीक्षा की गयी। जिसे प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करते हुये उद्यमियो को लाभान्वित किये जाने हेतु निर्देश दिये गये। निवेश मित्र की समीक्षा में बताया गया कि अप्रैल 2023 से 20 दिसम्बर 2023 तक कुल 2310 आवेदन प्राप्त हुये जिसमें 2069 को स्वीकृत करते हुये 118 निरस्त, 39 में जांच लम्बित, विभाग स्तर 76 समयान्तर्गत लम्बित एवं 06 समय बाद लम्बित है। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुये कहा कि सभी आवेदन पत्रो का समयान्तर्गत निस्तारण कराया जाय। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को निर्देशित करते हुये कहा कि सभी पीतल के कार्य करने वाले श्रमिको को विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। उन्होने सभी उद्यमियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि आप लोगो की जो भी समस्याए है उनसे हमे अवगत कराये और अपने सुझाव भी दे ताकि जो भी आपकी समस्याए है उनका निस्तारण कराया जा सके। मेसर्स आरिका इन्टर प्राइजेज व विराट लैबिको के भुगतान के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि सहायक विकास अधिकारी पंचायत से समन्वय स्थापित करते हुये भुगतान कराया जाय।

एसओजी व थाना चोपन/थाना करमा पुलिस की संयुक्त टीम को मिली बड़ी सफलता, 07 शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

कब्जे से चोरी की 11 मोटर साइकिल 11 लाख रुपये की हुयी बरामद

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जनपद में मोटर साइकिल चोरी की घटनाओं का शीघ्र अनावरण कर बरामदगी व उसमें संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में एसओजी व थाना चोपन पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर विशिष्ट निर्देश दिये गये जिसके क्रम में संयुक्त टीम द्वारा सटीक एवं प्रभावी आसूचना के माध्यम से दिनांक 21.12.2023 को समय 06.10 बजे केन्द्रीय विद्यालय चोपन के पास से 03 अभियुक्तगण 01. दीपक यादव पुत्र देवनारायण यादव, निवासी चोपन गांव थाना चोपन जनपद सोनभद्र, 02. अजीत पाल पुत्र गणेश पाल निवासी चोपन गांव (इनटेक बस्ती), थाना चोपन, जनपद सोनभद्र, 03. अमित साहनी पुत्र अमरनाथ साहनी निवासी चोपन गांव, थाना चोपन जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर मौके से चोरी की 02 मोटर साइकिल तथा अभियुक्तगण की निशानदेही पर अमित साहनी के घर के पीछे बने झोपड़ी से 02 मोटर साइकिल, आंगनबाड़ी केन्द्र चकदहिया ग्राम पंचायत बिल्ली मारकुण्डी से 04 मोटर साइकिल तथा ग्राम मगरदहा थाना करमा से 03 अभियुक्तगण के कब्जे से 03 मोटर साइकिल बरामद कर गिरफ्तार किया गया तथा चोरी की मोटरसाइकिल बिक्री कराने का बिचौलिया सुनिल पाल पुत्र बाबुनन्दन पाल निवासी भैसवार थाना घोरावल जनपद सोनभद्र को उसके घर से गिरफ्तार किया गया ।इस प्रकार कुल 07 नफर अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर अलग-अलग स्थानों से चोरी की 11 अदद मोटर साइकिल बरामद किया गया। उपरोक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चोपन पर मु0अ0सं0-288/2023 धारा 411, 413, 414, 420, 467, 468, 471 भादवि का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कायार्वाही की जा रही है गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण दीपक यादव और अजीत पाल ने बताया कि हम दोनों और गोलू साहनी मिलकर मधुपुर रॉबर्ट्सगंज, काली मंदिर चोपन, पन्नूगंज बाजार, थाना हाथीनाला क्षेत्र, सक्तेशगढ़ मीरजापुर, पुलिस चौकी गुरसुन्डी मीरजापुर, थाना ओबरा क्षेत्र, भावा बाजार राजगढ़ मीरजापुर से मोटर साइकिलों की चोरी कर मोटर साइकिलों का असली नंबर प्लेट हटाकर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर या उसी नंबर प्लेट के किसी अंक को बदलकर अमित साहनी व सुनिल पाल के माध्यम से कम कीमत में बेच देते है ।उससे मिले पैसों को आपस में तीनों लोग बांट कर आर्थिक लाभार्जन कर जीविका चलाते हैं।

एमएमडीपी किट के शत प्रतिशत वितरण के निर्देश

लक्ष्य तय

जनपदों में बांटी जाएंगी शत प्रतिशत एमएमडीपी किट

आयुष्मान मेला में भी दी जाएगी एमएमडीपी किट

स्वास्थ्य केंद्रों पर हर शनिवार, रविवार को लगता है आयुष्मान मेला

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। फाइलेरिया मरीजों को दी जाने वाली मोरबिटी मैनेजमेंट एंड डिजेबिलिटी प्रीवेंशन (एमएमडीपी) किट अब आयुष्मान मेला में भी मिल सकेगी। इस किट में बाल्टी, बाथ टब, मग, साबुन, तौलिया और क्रीम वितरित की जाती है। जनपदों में हर शनिवार को हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर और रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयुष्मान मेला आयोजित हो रहे हैं।

गत वर्ष केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने फाइलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य तय किए थे। लक्षित वर्ष 2027 तक फाइलेरिया को उपेक्षित बीमारी से प्राथमिकता की श्रेणी में लाने के उद्देश्य से कई प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ पिंकी जोयल ने जनपदों को भेजे पत्र में निर्देश दिया है कि जनपद में शत प्रतिशत फाइलेरिया रोगियों को चिन्हित कर सभी को एमएमडीपी किट वितरित की जाए। पत्र के अनुसार प्रदेश में वर्तमान में लिम्फोडिमा के 95097 मरीज हैं। इसमें हाइड्रोसील के 24207 मरीज हैं जिसमें 6928 मरीजों के हाइड्रोसील का ऑपरेशन हो चुका है। 41721 फाइलेरिया मरीजों को एमएमडीपी किट वितरित की जा चुकी है। जो लक्ष्य के मुकाबले 44 प्रतिशत है। फाइलेरिया प्रभावित हर जिले को कम से कम हर वर्ष 500 एमएमडीपी किट मुहैया कराई जा रही है। एमएमडीपी किट वितरण में संतकबीर नगर, कुशीनगर और प्रतापगढ़ ने बेहतर काम किया है। यहां क्रमशः 100 प्रतिशत, 99 प्रतिशत व 98 प्रतिशत किट वितरित की गई हैं। वहीं गोंडा में शून्य प्रतिशत, उन्नाव में एक प्रतिशत और अंबेडकरनगर में 10 प्रतिशत एमएमडीपी किट वितरित की गई हैं।

अपर निदेशक, मलेरिया, डॉ भानु प्रताप सिंह कल्याणी ने बताया कि मच्छर जनित रोगों से हम सभी को बचाव करना चाहिए। मच्छर से बचने के प्रति लोग जितने जागरूक होंगे बीमारियां उतनी ही कम होंगी। उन्होंने बताया कि 10 फरवरी 2024 से सर्वजन दवा सेवन अभियान प्रदेश के 18 जिलों में चलेगा। इनमें से स्वास्थ्य कर्मी अपने सामने ही 13 जिलों में त्रिपल ड्रग और 5 में डबल ड्रग का सेवन कराएंगे। उन्होंने आमजन से अपील भी की है कि फाइलेरिया से बचाव की दवा का सेवन कर प्रदेश को फाइलेरिया मुक्त बनाने में सहयोग करें।

फाइलेरिया को हाथीपांव भी कहते हैं, यह क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। इस बीमारी को देश से समाप्त करने के लिए वर्ष 2027 तक लक्ष्य तय किया गया है। फाइलेरिया रोग का कोई इलाज नहीं लेकिन इससे बचाव संभव है। फाइलेरिया किसी भी व्यक्ति को दिव्यांग बना सकता है। यह शरीर के लटके हुए अंगों जैसे पैर, हाथ, अंडकोश और स्तन को प्रभावित करता है। ध्यान रहे कि संक्रमित व्यक्ति को सफाई के बाद त्वचा को रगड़ना नहीं चाहिए बल्कि धुलाई के बाद त्वचा को सिर्फ सुखना चाहिए। सबसे अहम बात यह कि व्यक्ति में मच्छर के काटने से संक्रमित होने के बाद बीमारी के लक्षण प्रकट होने में 10-15 वर्ष लग जाते हैं। यह बीमारी ज्यादातर बचपन में लोगों को प्रभावित करती है। फाइलेरिया से बचाव की दवा अगर हर व्यक्ति खा ले तो समाज में संक्रमण फैलने से रोका जा सकता है। इसलिए ईमानदारी से सभी को यह दवा जरूर खानी चाहिये। सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान या फाइलेरिया अभियान साल में दो बार फाइलेरिया प्रभावित जिलों में चलाया जाता है। यह अभियान हर वर्ष अगस्त एवं फरवरी माह में चलता है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस द्वारा प्रतिदिन चलाया जा रहा महिला जागरूकता व सशक्तिकरण अभियान

जब महिला समृद्ध होती है तो दुनिया समृद्ध होती है

बेटियों में आत्मविश्वास को बढ़ावा देना ही मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वालंबन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति विशेष अभियान फेज-4 के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/ ऑपरेशन के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानों की शक्ति दीदी द्वारा अभियान के अन्तर्गत अपने अपने बीट क्षेत्र में भ्रमण कर/ जन चौपाल लगाकर बालिकाओं / महिलाओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी निम्न बिंदुओं पर सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच, नशामुक्ति, साइबर अपराधों, घरेलू हिंसा व शासन की जन कल्याणकारी योजना के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। महिलाओं/बालिकाओं को शासन/यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएँ जैसे वुमेन पावर लाइन-1090, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस सेवा-108 एवं अपने-अपने सीयूजी नम्बर के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। शक्ति दीदी कार्यक्रम के अंतर्गत महिला पुलिस टीम के द्वारा बालिकाओं को बताया जा रहा है कि कभी भी आवश्यकता पड़ने पर सम्बन्धित थाना/शक्ति दीदी स्क्वॉड व उ0प्र0 पुलिस द्वारा संचालित महिलाओं/बालिकाओं हेतु चलाये जा रहे नम्बरों पर बेझिझक कॉल करना चाहिए। महिलाओं एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाया गया एवं महिला अधिकारों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया साथ ही सभी बालिकाओं/ महिलाओं को बताया गया कि सभी थानों में महिलाओं की सुरक्षा/सहायता हेतु महिला हेल्पडेस्क बनाया गया है, जहां पर महिला पुलिसकर्मी द्वारा महिलाओं की शिकायत सुनी जाती है तथा समय से उनका निस्तारण कराया जाता है। हेल्पलाइन नम्बर का निर्भीक होकर उपयोग करने हेतु तथा महिलाओ को आत्मनिर्भर बनने व निर्भीक होकर अपने-अपने क्षेत्र में कार्य करने के लिये प्रेरित किया गया।

लोहिया में हुआ बच्चों की आंखों के कैंसर का इलाज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में बच्चों की आंखों का कैंसर रैटिनोब्लास्टोमा कैंसर का इलाज किया गया।इस संस्थान में आंखों के कैंसर का पहला जटिल ऑपरेशन हुआ है। यह ऑपरेशन डॉ. अभिषेक (इंटरवेंशनल रेडिओलॉजी) के कुशल नेतृत्व में हुआ। ऑपरेशन करने वाली स्वास्थ्य टीम में इनके अलावा डॉ. सक्षम, डॉ. प्रोमिला व अन्य मौजूद रहे। इस ऑपरेशन में सहयोगी संस्था कैनकिड्स ने पूरा सहयोग किया।

बच्चों के कैंसर इलाज के विशेषज्ञ डॉ सक्षम ने बताया कि संस्थान में रेटिनोब्लास्टोमा के लिए पहली इंट्रा-आर्टीरियल केमोथेरेपी को सफलतापूर्वक किया गया है। उत्तर प्रदेश में इस तरह का यह पहला ऑपरेशन है। उन्होंने बताया कि देश में ऐसे ऑपरेशन चुनिंदा संस्थानों में ही किए जाते हैं। ऑपरेशन यानि पूर्व-ऑप और पोस्ट-ऑप के दौरान डॉ. सुरज (एनेस्थेजिया सलाहकार) देखभाल के लिए मौजूद रहे। डॉ सक्षम ने बताया कि रैटिनोब्लास्टोमा कैंसर के मरीज मेडिकल ऑनकोलजी की ओपीडी में परामर्श ले सकते हैं। संस्थान की निदेशक प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने पूरी स्वास्थ्य टीम को बधाई दी है। यह ऑपरेशन डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और कैनकिड्स संस्था के संयुक्त प्रयास से संभव हुआ।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े में वाहन चालकों को लाइफ सपोर्ट के बारे में जानकारी देकर किया प्रेरित

जगदीशपुर, अमेठी। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को जगदीशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ट्रामा सेंटर परिसर में दुर्घटना में पीड़ितों के लाइफ सपोर्ट हेतु दर्जनों से ज्यादा वाहन चालकों और आमजन को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डॉ अमित द्वारा वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा और बुनियादी जीवन समर्थन शिक्षा की जानकारी दी और उन्हें प्राथमिक चिकित्सा एंव हादसे में घायलो को बेसिक लाइफ सपोर्ट के लिए प्रेरित किया ।पीटीओ मनोज कुमार शुक्ला ने में सड़क सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी।इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ प्रदीप तिवारी हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अमित ,डॉ मानवेन्द्र सुशील यादव एंव अन्य मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में दो पशु तस्करों को पैर में लगी गोली, 81 मवेशी बरामद

अमन लेखनी समाचार

राजगढ़ मीरजापुर/ थाना क्षेत्र के खप्पर बाबा आश्रम के पास पुलिस और पशु तस्कर में मुठभेड़ हुई है ।पुलिस को देख पशु तस्करो द्वारा 315 बोर कट्टा से फायर किया गया। जिससे थाना प्रभारी निरीक्षक के बुलेट प्रूफ जैकेट पर लग गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मिश्रा मय पुलिस फोर्स द्वारा पशु तस्करों गोली मारी गई जिसको श्यामबहादुर राय पुत्र लच्छन राय निवासी ग्राम टेडुआ भरारी थाना चांद जनपद को दाहिने पैर में गोली लगी है और अनुज यादव पुत्र कमला यादव निवासी ग्राम पहिती लाहौर थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को दाएं पैर में गोली लगी है। दोनों पशु तस्करों के पास से 81 राशि गोवंश बरामद किये गए। दोनों पशु तस्करों को अहरौरा सिएचसी भिजवाया गया इलाज के लिए वही प्राथमिक उपचार करने के बाद मीरजापुर भेजा गया। उसी दौरान एडिशनल एसपी नक्सल ओपी सिंह के साथ बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रही। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि श्यामबहादुर राय का आपराधिक इतिहास थाना अहरौरा पर धारा 3/8 गोवध अधिनियम व धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत हैं और ये 25हजार रुपया का इनामिया आपराधी हैं। दूसरा अनुज यादव का अहरौरा थाना पर 3/8 गोवध अधिनियम से सम्बंधित मुकदमा पंजीकृत है। ये दोनों पशु तस्कर शातिर आपराधिक हैं इनके खिलाफ अहरौरा थाने में पहले से मुदकमा पंजीकृत हैं।

युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित हुई क्रीडा प्रतियोगिता

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड कस्बे के बलदेव गिरी पाठशाला इंटर कॉलेज में युवा कल्याण विभाग द्वारा एकदिवसीय विकासखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई कार्यक्रम में पहुंचे बलदेव गिरी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य दुर्ग विजय राय एवं ग्राम प्रधान अमौली शिवकुमारी सोनकर द्वारा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया आयोजित कार्यक्रम की अगवाई खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह चौहान के निर्देशन में संपन्न हुई कार्यक्रम में मौजूद युवा कल्याण विकास अधिकारी आशीष कुमार एवं संचालक विकासखंड के व्यायाम शिक्षक आदित्य पाण्डेय के नेतृत्व में कबड्डी दौड़ ऊंची कूद वॉलीबॉल कुश्ती इत्यादि प्रतियोगिताएं संपन्न हुई प्रतियोगिताओं में 16 वर्ष एवं 16 वर्ष से अधिक के बच्चों ने प्रतिभाग किया प्रतिभागियों में बालिका 100 मीटर दौड़ में नीता तिवारी ने प्रथम प्रिया देवी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया वहीं बालक वर्ग में राज सिंह ने प्रथम एवं ललित कुमार ने द्वितीय स्थान पर कब्जा किया 200 मी सीनियर वर्ग बालिका दौड़ में काजल देवी को प्रथम तथा सुमन देवी को द्वितीय स्थान मिला वहीं बालक श्रेणी में गुल्फाम को प्रथम तथा शुभम पाण्डेय को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ लंबी कूद में सुमन देवी प्रथम एवं रश्मि देवी दूसरे पायदान पर रही कुश्ती प्रतियोगिता में जुनैद को प्रथम तथा साहिल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ वही कबड्डी खेल प्रतियोगिता में क्षेत्र के अनेकों गांव से पहुंची टीमों ने हिस्सेदारी निभाई जिसमें कुलखेड़ा गांव की टीम ने विजय पताका फहराते हुए अमौली टीम को शिकस्त देते हुए उच्च सिंहासन प्राप्त किया सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मैडल देकर सम्मानित किया गया जहां कार्यक्रम में मौजूद ग्राम प्रधान शिवकुमारी सोनकर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी आशीष कुमार अमौली चौकी उपनिरीक्षक राजित यादव प्रधान पति प्रकाश चंद्र उर्फ बंटू सोनकर बृजेश मिश्रा व्यायाम शिक्षक आदित्य पाण्डेय पूरन सिंह शिक्षक लोकेंद्र सिंह सूर्यवंशी मधु देवी विनीत वाजपेई सोनी देवी प्रांतीय रक्षक दल के कमांडर जवान बिंदा प्रसाद दीक्षित अखिलेश द्विवेदी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमौली की टीम के साथ डॉक्टर श्याम सचान समेत भारी संख्या में गणमान्य क्षेत्रीय नागरिक एवं युवा मौजूद रहे

बीजपुर पुलिस द्वारा चोरी के प्रकरण का अनावरण करते हुए 4 अभियुक्तगण गिरफ्तार

सोनभद्र ।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे जनपद में चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी दुद्धी के नेतृत्व में आज दिनांक 21.12.2023 को थाना बीजपुर पुलिस द्वारा कमपोजिट विधालय डोड़हर के किचन में चोरी के सम्बन्ध में थाना बीजपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 120/2023 धारा 457, 380 भादवि का सफल अनावरण करते हुए चोरी में संलिप्त 04 नफर अभियुक्तगण 1. ऋषि कुमार पुत्र अत्रिलाल, निवासी डोड़हर, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 19 वर्ष 2. काशी केवट उर्फ कोलई पुत्र अवध बिहारी केवट, निवासी मोखना ग्राम डोड़हर, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष 3. उमेश बैगा पुत्र रामलखन बैगा, ग्राम डोडहर बेलहवा टोला, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष 4. विशाल बैगा पुत्र बीरबल बैगा, निवासी ग्राम डोड़हर टोला बेलहवा, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र उम्र लगभग 20 वर्ष को बैढ़न बाईपास के पास से गिरफ्तार कर अभियुक्तगण उपरोक्त को मा0 न्यायालय भेजा गया ।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की दिलाई गई शपथ

अमन लेखनी समाचार

राजगढ़ मीरजापुर/ विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र के नदिहार गांव के आदर्श तालाब पर स्थित पंचायत भवन के पास विकसित भारत संकल्प यात्रा ग्रामीणों को दिलाई गई शपथ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल को ग्राम प्रधान नदीहार ने पुष्प अर्पित किया। मड़िहान विधायक रमाशंकर सिंह पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा चलाई जा रही योजनाएं गरीबों को हर हाल में पहुंचाई जा रही है चाहे वह वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन , उज्वला योजना, गरीबों को राशन, विकलांग पेंशन, मुख्यमंत्री आवास, प्रधानमंत्री आवास, प्रधानमंत्री सम्मान निधि तमाम तरह की योजनाओं को जो इसके लाभ के अधिकार हैं। हर व्यक्ति के पास पहुंचनी चाहिए । अभी भी बहुत से लोग हैं जो वृद्धा पेंशन और विधवा पेंशन के लिए भटक रहे हैं। उन्हें कहीं जाने की जरूरत नहीं है। इसी महीने की 24 अक्टूबर को नदिहार ग्राम पंचायत में कैंप का आयोजन लगाया जाएगा। जहां पर सभी का रजिस्ट्रेशन करा कर आधार को मोबाइल नंबर से जोड़कर लाभ दिया जाएगा उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रधानमंत्री की योजनाएं गांव-गांव हर गरीब तबके के लोगों के पास पहुंच रही है और इसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है। हर घर नल योजना के तहत सरकार पानी पहुंचाने का कार्य कर रही है। जिससे घरों में निशुल्क पानी पहुंच रहा है। जहां भी अभी हर घर नल योजना के तहत पाइप लाइन नहीं लगी है ।वहां भी जल्द ही पाइप लाइन लगाकर ग्रामीणों के हर घर तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। सभी को आरो रहित पानी मिलेगा ।जो पूरी तरह से शुद्ध रहेगा। इसके बाद सभी ग्रामीणों को शपथ दिलाई गई। गांव को स्वच्छ बनाएं सुंदर बनाएं। इसके बाद बच्चों ने संस्कृति कार्यक्रम पेश किया जहां पर सैकड़ों ग्रामीणों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह वर्धन भी किया। और ग्राम प्रधान रवि शंकर सिंह पटेल ने बच्चों को सम्मानित भी किया है जिससे बच्चे काफी उत्साहित रहे। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह पटेल, दुखरन सिंह पटेल, पूर्व प्रधान राकेश सिंह, प्रवीण पांडे, उदय पटेल, सुजीत पटेल, समरजीत सोनी, अध्यापक राम प्रसाद सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रदीप सिंह, अवधेश पटेल ,महेश प्रसाद, सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण स्कूली बच्चे रहे।

अमन लेखनी (हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. – 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

एलर्जी की वजह से भी सर्दी में आती हैं छींकें

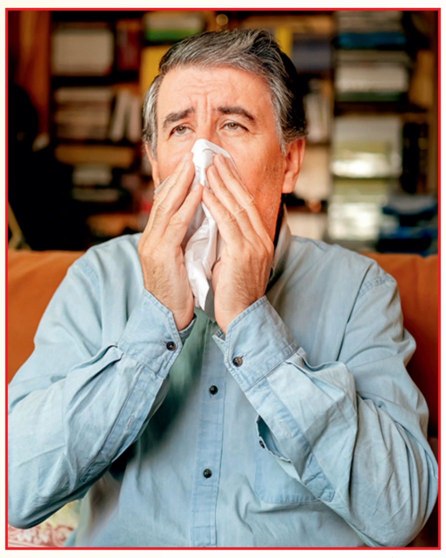

मेरी उम्र 61 वर्ष है। सर्दी के मौसम में रोज सुबह छींकें आती हैं, कुछ देर बाद खुद ही बंद हो जाती हैं। ऐसा क्यों होता है, राहत के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

राम आसरे, अंबिकापुर

इस मौसम में काफी लोगों को इस तरह की समस्या होती है। ऐसा एलर्जी से होता है। इसमें जैसे ही व्यक्ति रजाई या कमरे से बाहर निकलकर खुले में आता है, छींकें आने लगती हैं। इससे बचने के लिए कोशिश करें कि आप कमरे से बाहर निकलने से पहले कैप लगा लें और पूरी तरह से वूलेन कपड़े पहनकर ही बाहर निकलें।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मैं कमर दर्द से परेशान रहता हूं। अकसर पेन किलर खाता हूं। इससे पेट भी खराब हो जाता है। कृपया बताएं मैं क्या करूं?

-करमेंद्र, जींद

जैसा आप बता रहे हैं कि आपका कमर दर्द हो रहा है, इसके लिए आपको विटामिन डी की जांच करानी चाहिए, क्योंकि मौजूदा समय काफी संख्या में लोगों में विटामिन डी की कमी पाई जा रही है। लोग धूप में कम बैठते हैं, इस वजह से ऐसी समस्या आ रही है। इसके साथ ही आप नियमित रूप में सुबह-शाम कमर की एक्सरसाइज करें। एक बार आप फिजियोथैरेपिस्ट से भी संपर्क करें। वे आपको कुछ एक्सरसाइज बताएगें। इसके साथ ही कैल्शियम की जरूरी मात्रा लेने के लिए नियमित दूध का सेवन करें। इन उपायों से आपको राहत मिलेगी। कोशिश करें कि पेन किलर कम से कम खाएं।

मेरी उम्र 36 वर्ष है। मैं दिन में दो बार भरपेट खाता हूं, फिर भी कुछ घंटे बाद ही भूख महसूस होती है। मेरा वेट भी ज्यादा नहीं है। कृपया इसका समाधान बताएं।

आकाश, भिलाई

आपकी समस्या पढ़कर लगता है आपको सबसे पहले शुगर की जांच करानी चाहिए, क्योंकि शुगर लेवल अधिक होने पर भूख बार-बार लगती है और वजन नहीं बढ़ता है। इसलिए आप एक बार जनरल फिजिशियन से संपर्क कर जांच कराएं। उसके बाद ही उपचार शुरू हो सकेगा।

मेरी उम्र 29 वर्ष है। जाड़े में गर्म पानी से नहाता हूं। लेकिन नहाने के बाद स्किन ड्राय हो जाती है। इचिंग भी होती है। ऐसा ना हो, इसका कोई उपाय बताएं।

-हेमंत, भोपाल

सबसे पहले आप कोशिश करें कि अधिक गर्म पानी से ना नाहाएं, यानी बहुत ठंडे या गर्म के बजाय पानी को नॉर्मल कर लें और उससे नहाएं। साथ ही बाथरूम में नारियल का तेल रखें, नहाने के तुरंत बाद जब त्वचा गीली हो, तभी नारियल का तेल त्वचा पर लगा लें। इस तरह आपको ड्रायनेस और खुजली से राहत मिलेगी।

मैं 50 वर्ष का हूं। हार्ट पेशेंट हूं। दवा तो लेता हूं, लेकिन इसके साथ हार्ट को हेल्दी रखने के लिए डाइट और लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए?

अमरीश, रोहतक

जैसा आप बता रहे हैं कि आप हार्ट के पेशेंट हैं, इसलिए आपको अधिक तला-भुना खाना कम कर देना चाहिए या नहीं खाना चाहिए। साथ में आप सुबह-शाम आधे-आधे घंटे की सैर करें। खाने में सलाद जरूर शामिल करें। रात में समय से सोना चाहिए और सुबह जल्दी उठें। खाने में नमक कम खाएं।

मेरी उम्र 57 वर्ष है। मैं कितने भी कपड़े पहन लूं, मुझे सर्दी बहुत महसूस होती है। सामान्य काम करने में परेशानी होती है। क्या डाइट में कुछ बदलाव से राहत मिल सकती है, कृपया बताएं।

-श्रीप्रकाश, कोरबा

हर आदमी का बॉडी स्ट्रक्चर अलग-अलग होता है। कुछ लोगों को अधिक सर्दी लगती है, कुछ लोगों को सर्दी कम महसूस होती है। इससे बचने के लिए आप कपड़े अधिक पहनें, साथ ही ड्राई फ्रूट्स का सेवन करें और रात में हल्दी मिलाकर दूध पिएं। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

ब्लड में शुगर लेवल का बढ़ना यानी डायबिटीज एक ऐसा रोग है, जिसमें लापरवाही बरतने से कुछ अन्य गंभीर बीमारियों का सामना पड़ सकता है। इनसे बचाव के लिए डायबिटीज पेशेंट्स को अपना शुगर लेवल मेंटेन करने के साथ किसी भी तरह की शारीरिक असामान्यता पर नजर रखनी चाहिए। इस बारे में आपके लिए बहुत ही यूजफुल इंफॉर्मेशंस हम दे रहे हैं।

डायबिटीज की वजह से बढ़ती है कई बीमारियों की आशंका

डॉक्टर एडवाइस

डॉ. धीरज कपूर

सीनियर एंडोक्राइनोलॉजिस्ट, आर्टेमिस हॉस्पिटल, गुरुग्राम

आधुनिक जीवनशैली से जुड़ी खान-पान की गलत आदतों और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण देश की आबादी का बड़ा हिस्सा डायबिटीज यानी मधुमेह का शिकार हो रहा है। इससे जुड़ी चिंताजनक बात यह है कि डायबिटीज के मरीजों में कुछ अन्य शारीरिक समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है।

हार्ट डिजीज

किसी इंसान को पहले से डायबिटीज हो तो उसे हृदय रोगों की आशंका बढ़ जाती है। खून में शुगर लेवल बढ़ने के कारण धीरे-धीरे हृदय की ब्लड वेसेल्स सिकुड़ने लगती हैं। फिर रक्त प्रवाह में रुकावट पैदा होती है, शरीर के सभी हिस्सों तक ऑक्सीजनयुक्त रक्त पहुंचाने के लिए हृदय को सामान्य से ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। नतीजा, ब्लडप्रेशर बढ़ जाता है और हृदय पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ने लगता है, जो कई बार हार्ट अटैक का कारण बन जाता है।

बचाव-उपचारः इस समस्या से बचाव के लिए संतुलित खान-पान और नियमित व्यायाम से बढ़ते वजन को नियंत्रित रखें। घी, तेल, चीनी, मैदा, एल्कोहाल, सिगरेट और डिब्बा बंद जंक फूड्स से दूरी बनाकर रखें, क्योंकि उनमें मौजूद प्रिजर्वेटिव्स सेहत के लिए बहुत नुकसानदेह होते हैं। जब डायबिटीज के कारण दिल की बीमारियों की आशंका बढ़ने लगती है तो कोलेस्ट्रॉल लेवल को नियंत्रित करने और खून को पतला करने वाली दवाएं दी जाती हैं, ताकि रक्तप्रवाह में कोई रुकावट ना हो।

डायबिटिक रेटिनोपैथी

जब शुगर लेवल बहुत ज्यादा बढ़ जाए तो इसकी वजह से आंखों की दृष्टि भी प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में आंखों की रेटिना को पोषण प्रदान करने वाली अतिसूक्ष्म रक्त वाहिकाएं नष्ट होने लगती हैं, जिससे आंखों की दृष्टि धुंधली पड़ने लगती है।

बचाव-उपचारः इस समस्या से बचाव के लिए आंखों में कोई तकलीफ ना हो तो भी डायबिटीज पेशेंट्स साल में एक बार आई चेकअप जरूर करवाएं। जांच के दौरान अपने आई स्पेशलिस्ट को डायबिटीज के बारे में जरूर बताएं, ताकि सही समय पर समस्या की पहचान करके इसका उपचार शुरू किया जा सके।

डायबिटिक नेफ्रोपैथी

जब शुगर लेवल के साथ ब्लडप्रेशर भी बढ़ जाता है, तो ऐसी स्थित में किडनी की अति सूक्ष्म रक्तवाहिकाओं को बहुत नुकसान पहुंचता है। इससे किडनी की कार्यक्षमता घटने लगती है। जब किडनी ब्लड को अच्छी तरह फिल्टर नहीं कर पाती तो ऐसी स्थिति में यूरिन से अधिक मात्रा में प्रोटीन डिस्चार्ज होने लगता है, जिससे शरीर में इस पोषक तत्व की कमी हो जाती है। परिणामस्वरूप वाटर रिटेंशन यानी शरीर में पानी जमा होने और सूजन की समस्या परेशान करने लगती है।

बचाव-उपचारः इससे बचाव के लिए चीनी और नमक का सेवन अत्यंत सीमित मात्रा में करना चाहिए। उपचार के दौरान वाटर रिटेंशन दूर करने वाली दवाएं दी जाती हैं। जब तक यूरिन से प्रोटीन का डिस्चार्ज होता है, तब तक दवाओं की मदद से किडनी को नुकसान से बचाया जा सकता है, लेकिन जब ब्लड में यूरिया और क्रिएटिनिन की मात्रा बढ़ने लगती है, तो यह स्थिति मरीज के लिए बहुत नुकसानदेह साबित होती है। इससे बचाव के लिए डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत पड़ सकती है। अगर डायबिटीज के साथ हाई ब्लडप्रेशर की समस्या हो तो बीपी को नियंत्रित करने के लिए भी नियमित रूप से दवाएं दी जाती हैं।

डायबिटिक न्यूरोपैथी

डायबिटीज के अधिकतर मरीजों को इस समस्या का सामना करना पड़ता है। खासकर जिन पेशेंट का ब्लड शुगर लंबे समय तक अनियंत्रित रहता है, उनके हाथ-पैरों की नसों में दर्द, झनझनाहट और खिंचाव जैसे लक्षण नजर आते हैं। कई बार पैरों में सुइयां चुभोने या चीटिंयां रेंगने जैसा एहसास होता है।

बचाव-उपचारः इस समस्या से बचाव के लिए सबसे पहले संयमित खान-पान, एक्सरसाइज और वॉक के माध्यम से बढ़ते शुगर लेवल को कंट्रोल किया जाना चाहिए। ऑफिस में लंबे समय तक सीट पर बैठने का काम है तो पैरों को सपोर्ट देने के लिए अपनी सीट के नीचे छोटा-सा स्टूल रखें। रात को सोते समय पैरों के नीचे ऊंचा तकिया रखें, ताकि रक्त प्रवाह सही ढंग से हो। गुनगुने पानी से भरे टब में सेंधा नमक मिलाकर उसमें पैरों को डुबोकर रखें, इससे भी पैरों को आराम मिलेगा। उपचार के दौरान डॉक्टर नसों आराम पहुंचाने के लिए कुछ पेनकिलर्स देते हैं।

डायबिटिक फुट

डायबिटीज होने पर पैरों में रक्त प्रवाह सही ढंग से नहीं हो पाता, जिससे मामूली चोट लगने या एड़ियां फटने पर संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। अगर सही समय पर उपचार ना किया जाए तो पैरों में गैंगरीन हो सकता है।

बचाव-उपचारः बचाव में पैरों की सफाई का विशेष ध्यान रखें। ध्यान रहे एड़ियां ना फटें, जूते के साथ हमेशा साफ मोजे पहनें। पैरों को चोट से बचाकर रखें। पैरों में चोट लगने पर या पैरों में किसी तरह का जख्म होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करके इलाज करवाएं।

हाइपोग्लाइसीमिया

किसी व्यक्ति का शुगर लेवल अचानक 70 एमजी से नीचे चला जाए तो ऐसी शारीरिक दशा को हाइपोग्लाइसीमिया कहा जाता है। आमतौर पर अधिक मात्रा में डायबिटीज की दवा लेने, इंसुलिन की डोज बढ़ाने और लंबे समय तक खाली पेट रहने के कारण ऐसी समस्या होती है। चक्कर आना, पसीना आना, कमजोरी महसूस होना, दिल की धड़कन तेज होना और बेहोशी इसके प्रमुख लक्षण हैं।

बचाव-उपचारः डायबिटीज की समस्या हो तो हमेशा अपने साथ ग्लूकोमीटर रखें। अगर कोई भी असामान्य लक्षण दिखाई दे तो, तत्काल कोई मीठी चीज खाएं। ज्यादा देर तक खाली पेट ना रहें।

डायबिटीज कीटोएसिडोसिस

जब शरीर में इंसुलिन की कमी के कारण शुगर लेवल बढ़कर 400 से 500 एमजी हो जाए, तो ऐसी शारीरिक दशा को डायबिटीज कीटोएसिडोसिस कहते हैं। गला सूखना, अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार यूरिन डिस्चार्ज होना आदि इसके प्रमुख लक्षण हैं।

बचाव-उपचारः नियमित रूप से डायबिटीज की दवा लें। अगर इंसुलिन लेते हैं, तो नियमित इंसुलिन लेना ना भूलें। गंभीर स्थिति होने पर हॉस्पिटल में भर्ती कराएं।

कमजोर इम्यून सिस्टम

डायबिटीज के कारण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे व्यक्ति को सर्दी, जुकाम, खांसी, संक्रमण और बुखार जैसी समस्याएं अकसर परेशान करती हैं।

बचाव-उपचारः इस समस्या से बचाव के लिए अपने नियमित आहार में विटमिन सी युक्त खट्टे फलों जैसे- संतरा, मौसंबी, नीबू, आंवला और हरी सब्जियों का पर्याप्त मात्रा में सेवन करें। अगर कोई भी संक्रमण हो तो डॉक्टर से दवा लें। *

प्रस्तुति : विनीता

अवेयरनेस

अंजू जैन

इन दवाओं से भी बढ़ सकता है वेट

कई लोग इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि सामान्य डाइट लेने, जंक फूड नहीं खाने और एक्टिव रहने के बावजूद भी उनका वेट क्यों बढ़ रहा है? इस बारे में यह जानना जरूरी है कि कुछ खास दवाओं का सेवन भी वजन बढ़ने का कारण बन सकता है। आइए जरा जान लें इनके बारे में।

स्टेरॉयड्सः अस्थमा और आर्थराइटिस जैसी बीमारियों में डॉक्टर जरूरत पड़ने पर ये दवाएं देते हैं। ये दवाएं भूख बढ़ाती हैं और रक्त में ग्लूकोज का स्तर भी बढ़ाती हैं। इनसे मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया बाधित होती है, वजन बढ़ता है और डायबिटीज भी हो सकता है।

गर्भ निरोधक गोलियांः कुछ गर्भ निरोधक गोलियों के कारण भी वजन बढ़ सकता है। इनमें मौजूद प्रोजेस्ट्रॉन और एस्ट्रोजन हार्मोन के साइड इफेक्ट से शरीर में तरल बढ़ने की समस्या होती है, जिससे महिलाओं का वजन बढ़ता है। लेकिन सारी बर्थ कंट्रोल पिल्स एक जैसी नहीं होती हैं। किसी दवा से ऐसा हो, तो चिकित्सक की सलाह से दवा बदल सकते हैं।

डिप्रेशनरोधी दवाएंः एंटीसाइकोटिक दवाओं में ऐसे केमिकल्स होते हैं, जो शरीर और ब्रेन को तनावमुक्त कर देते हैं। इन दवाओं के सेवन से नींद ज्यादा आती है, इसलिए मरीज का वजन बढ़ने लगता है।

मल्टी विटामिन दवाएंः बिना जरूरत अपनी मर्जी से विटामिन की गोलियां लंबे समय तक लेने से मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया ज्यादा एक्टिव हो जाती है। नतीजतन भूख ज्यादा लगने लगती है। ऐसे में व्यक्ति ज्यादा खाता है और मोटा हो जाता है।

बीपी कंट्रोलर पिल्सः हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को रोज इसे कंट्रोल करने की दवा लेनी पड़ती है। ये दवाएं कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया धीमी कर देती हैं और साथ ही वाटर रिटेंशन की समस्या भी बढ़ा देती हैं। इनकी वजह से भी मोटापा आ सकता है।

हार्मोन सप्लीमेंट्सः कुछ महिलाओं में हार्मोन संतुलन के लिए हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इससे भूख बढ़ती है और वाटर रिटेंशन की भी समस्या होती है। इससे शरीर में वसा जमा होने लगती है।

इनके अलावा अपने मन से ज्यादा एंटीबायोटिक्स लेने, माइग्रेन की दवाएं खाने या डायबिटीज की कुछ दवाएं लेने से भी मोटापे की समस्या हो सकती है। *

(जनरल फिजिशियन डॉ. विकास अग्रवाल से बातचीत पर आधारित)

प्रिकॉशन

डॉ. संजीव डांग

ईएनटी सर्जन

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली

वैसे तो हाइजीन और प्रोटेक्शन का ध्यान ना रखने पर ईयर इंफेक्शन किसी भी मौसम में हो सकता है। लेकिन सर्दियों में इसकी आशंका बढ़ जाती है। इसके होने के कारणों और बचाव के उपायों के बारे में जानिए।

सर्दियों में बढ़ जाती है ईयर इंफेक्शन की आशंका

सर्दी के मौसम में होने वाली कई स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा, कान के संक्रमण यानी ईयर इंफेक्शन की आशंका भी बढ़ जाती है। इस वजह से मध्य और भीतरी कान में बैक्टीरिया या वायरस के संक्रमण के कारण सूजन आ जाती है। इन दिनों कई अस्पतालों में रोजाना कुछ मरीज कान में संक्रमण, खुजली और सूजन की समस्या लेकर आ रहे हैं। दरअसल, ठंड का मौसम बैक्टीरिया और वायरस को विकसित होने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

संक्रमण के कारणः कान में संक्रमण और सूजन का मुख्य कारण, ठंड में कमजोर प्रतिरक्षा को माना जा सकता है। कई बार कान में मौजूद नमी या बैक्टीरिया, कानों में होने वाले ओटिटिस मीडिया का कारण बनते हैं। यह संक्रमण गले में खराश या श्वसन संक्रमण के कारण भी हो सकता है क्योंकि इस वजह से कान की यूस्टेशियन ट्यूब ब्लॉक हो जाती है और असहनीय दर्द होता हैं। कुछ लोगों में साइनसाइटिस का इलाज ना किए जाने पर भी कानों में प्रॉब्लम पैदा हो सकती है। दरअसल, कान का संक्रमण, नाक और गले के संक्रमण से भी जुड़ा होता है। कुछ लोगों को सर्दी के मौसम के दौरान कानों में अत्यधिक सूखापन और एलर्जिक राइनाइटिस के कारण भी संक्रमण हो जाता है। इससे कान में फंगल इंफेक्शन हो सकता है, जिसे ओटोमाइकोसिस कहा जाता है। कई बार खांसी होने और सर्दी लगने पर एक्यूट ओटिटिस मीडिया (एओएम) जैसे कान संक्रमण के मामलों में वृद्धि हो जाती है। अधिक ठंड भी कान में दर्द का कारण बन सकता है। दरअसल, ठंड का मौसम ईयर कैनाल्स के संवेदनशील ऊतकों में जलन पैदा करता है, इससे कान में दर्द हो सकता है। ठंड के महीनों में रक्त संचार कम होने से भी कान में संक्रमण की आशंका बढ़ सकती है।

संक्रमण के लक्षणः संक्रमण की वजह से कान में दर्द होना, चक्कर आना, सिरदर्द होना, असामान्य स्त्राव और अस्थायी सुनने में कमी आना जैसे लक्षण दिख सकते हैं। खुली जगह में ठंडी हवाओं के संपर्क में आने से भी कान का दर्द गंभीर हो सकता है और इसके लिए तत्काल ट्रीटमेंट करना जरूरी है।

उपचार के तरीकेः कान में संक्रमण के लक्षण दिखते ही डॉक्टर से कंसल्ट कर तुरंत उनके बताए ईयर ड्रॉप्स का उपयोग करना चाहिए। डॉक्टर की सलाह लेकर एंटीबायोटिक्स, एंटीहिस्टेमाइन और दर्द निवारक दवाई का सेवन करें। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई ना लें या किसी ओवर-द-काउंटर ईयर ड्रॉप का उपयोग ना करें।

संक्रमण से बचावः संक्रमण की वजह से कान के दर्द को कम करने के लिए आइस पैक या हीटिंग पैड या नम कपड़े का उपयोग करें। नहाते समय ध्यान रखें कि कानों में पानी ना जाए। घर से बाहर जाते समय कैप, हेडबैंड या स्कार्फ पहनकर कानों को गर्म रखें। हवा से बचाने के लिए कानों में रुई का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से कान की नलिका में सूजन आ सकती है। अपने हाथों को साबुन और पानी से धोते रहें, इससे कानों में कीटाणुओं के संक्रमण से बचाव होगा। फ्लू से बचाव के लिए वैक्सीन लगवा लें। धूम्रपान से दूर रहें, इससे श्वांस नली में जलन पैदा हो सकती है। कान में संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए ईयरमफ पहनने और सामान्य सर्दी, फ्लू और साइनसाइटिस से बचाव के लिए डॉक्टर से कंसल्ट कर बचाव के उपाय करें। *

प्रस्तुतिः सेहत डेस्क

संजय गांधी के मनमाने फैसलों ने बदल दी थी देश की राजनीतिक दिशा और दशा

देश की आजादी के बाद कांग्रेस परिवार का भारतीय राजनीति में अहम योगदान रहा है। पंडित नेहरु से लेकर उनकी बेटी इंदिरा गांधी और फिर उनकी हत्या के बाद राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री बने। वहीं भले ही इंदिरा गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी प्रधानमंत्री पद तक नहीं पहुंच सके, लेकिन उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से कई राजनैतिक फैसले लिए थे। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक साल 1973 से लेकर 1977 तक संजय गांधी ने कई ऐसे फैसले लिए। जिन्हें देशवासी आजतक नहीं भूल सके। बता दें कि आज ही के दिन यानी की 14 दिसंबर को संजय गांधी का जन्म हुआ था। आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

नई दिल्ली में 14 दिसंबर 1946 को इंदिरा गांधी और फिरोज गांधी के दूसरे बेटे के तौर पर संजय गांधी की जन्म हुआ था। संजय गांधी देश के पूर्व पीएम राजीव गांधी के छोटे भाई थे। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने लगे। इसके साथ ही उन्होंने इंग्लैंड में रॉल्स रॉयस में तीन एप्रेंटिसशिप भी की। संजय गांधी को स्पोर्ट्स कारों में खास इंट्रेस्ट था। वहीं साल 1976 में उनको पायलट का लाइसेंस भी मिल गया था।

अहम राजनीतिक फैसले

इंदिरा गांधी के बाद उनके छोटे बेटे यानी की संजय गांधी को उत्तराधिकारी के तौर पर भी देखा जाता था। बता दें कि जब देश में 25 जून को आपातकाल की घोषणा की गई। तो उसके ढाई साल बाद तक देश की बागडोर को संजय गांधी ने अपने हाथों में रखा। वहीं साल 1976 में पुरुष नसबंदी की घोषणा गई, ताकि जनसंख्या को नियंत्रित किया जा सके। यह फैसला आज भी हमारे देश के बुजुर्गों को याद है। बताया जाता है कि इस फैसले के पीछे भी संजय गांधी थे।

देश में मारुति 800 लाने का श्रेय

जहां एक ओर संजय गांधी को नसबंदी जैसे दमनकारी फैसले के लिए जाना जाता था। तो वहीं देश में मारुति 800 लाने का श्रेय भी उनको ही दिया जाता है। उनका सपना था कि देश में आम लोगों के पास कार हो। इसके लिए संजय गांधी ने दिल्ली के गुलाबी बाग में एख वर्कशॉर की तैयार करवाई थी। वहीं साल 1971 में मारुति मोटर्स लिमिटेड नामक एक कंपनी का गठन किया गया। जिसके एमडी खुद संजय गांधी थे।

संजय-मेनका की मुलाकात

मेनका गांधी से शादी से पहले संजय गांधी के जीवन में दो अन्य लड़कियों ने भी दस्तक दी थी। लेकिन किसी अनबन के चलते वह रिश्ता खत्म हो गया। इसके बाद एक दोस्त की शादी में संजय की मुलाकात मेनका से होती है। जब मेनका संजय से मिली थीं, तो उनकी उम्र महज 17 साल थी और संजय उनके करीब 10 साल बड़े थे। मुलाकात के बाद दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में यह दोस्ती प्यार में बदल गई। 23 दिसंबर 1974 को संजय और मेनका ने शादी कर ली।

राजनीतिक कॅरियर

देश में आपातकाल खत्म होने के बाद साल 1977 में संजय गांधी पहली बार चुनाव में खड़े हुए थे। उस दौरान उनको अपने निर्वाचन क्षेत्र अमेठी में हार का सामना करना पड़ा था। हार का कारण आपातकाल था। जिसके कारण जनता कांग्रेस से खफा थी। वहीं साल 1980 में संजय गांधी ने आम चुनावों में अमेठी से जीत हासिल की थी।

मौत

अपनी शादी के करीब 6 साल बाद संजय गांधी की विमान हादसे में मौत की खबर सुन पूरा देश सहम गया था। बता दें कि 23 जून 1980 को सुबह के समय सफदरगंज के दिल्ली फ्लाइंग क्लब से संजय गांधी और फ्लाइंग क्लब के पूर्व इंस्ट्रक्टर सुभाष सक्सेना ने उड़ान भरी। कुछ देर तक विमान हवा में कलाबाजियां दिखा रहा था। इसी दौरान विमान के पिछले इंजन ने काम करना बंद कर दिया। जिसकी वजह से विमान अशोक होटल के पीछे खाली पड़ी जमीन से जाकर टकराया। इस हादसे में संजय गांधी और सुभाष सक्सेना की मौत हो गई थी।